अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 226 | लखनऊ, मंगलवार, 03 मार्च 2026 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

सूचना

रंगों के पर्व 'होली' पर **राष्ट्रीय प्रस्तावना कार्यालय** में 03 व 4 मार्च 2026 को अवकाश रहेगा, अतः अगला अंक 06 मार्च 2026 को प्रकाशित होगा।

संपादक

संक्षिप्त

ओमान के बंदरगाह के निकट तेल टैंकर पर ईरान के हमले में एक भारतीय की मौत

नई दिल्ली। ओमान बंदरगाह के निकट एक तेल टैंकर एमकेडी व्योम पर ईरान के हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हुई है। पश्चिम एशिया में पिछले तीन दिन से अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी लड़ाई में किसी भारतीय नागरिक की मौत की यह पहली घटना है। ओमान में भारतीय दूतावास ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। दूतावास ने कहा, '' भारतीय दूतावास एमकेडी व्योम पर सवार एक भारतीय नागरिक के दुखद निधन पर अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करता है।

होली प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का पर्व : भूपेंद्र चौधरी

मुरादाबाद। होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि आपसी भेदभाव, मनमुटाव और बैर को भुलाकर प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता के रंग में रंग जाने का पर्व है। होली लोक पर्व होने के साथ ही अच्छाई की बुराई पर जीत, सदाचार की दुराचार पर जीत व समाज में व्याप्त समस्त बुराइयों के अंत का प्रतीक है। यह बातें भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य चौधरी भूपेंद्र सिंह ने मुरादाबाद में भाजपा कार्यालय पर आयोजित होली कार्यक्रम में कहीं। बुद्धि विहार स्थित भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला के नेतृत्व में रंगों का उत्सव होली त्यौहार मनाया गया।

भारत-कनाडा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को जल्द देंगे अंतिम रूप : मोदी

एजेंसी

- भारत-कनाडा के बीच 8 करार, 9 घोषणाएं, व्यापार समझौते से जुड़े विषयों पर सहमति

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच सोमवार को हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। वार्ता के उपरांत कुल आठ समझौतों पर हस्ताक्षर हुए तथा नौ प्रमुख घोषणाएं की गईं, जिनका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी को विस्तार देना है।

वार्ता में भारत-कनाडा व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के लिए विचारणीय विषय (टर्म ऑफ रेफरेंस) तय हुए। तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र में भारत-कनाडा-ऑस्ट्रेलिया त्रिपक्षीय समझौता हुआ। भारत को यूरेनियम की आपूर्ति के लिए वाणिज्यिक अनुबंध किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच सोमवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों नेताओं की उपस्थिति में रक्षा, शिक्षा, कृषि एवं नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर हुए समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। दोनों नेताओं ने इसके बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। इसमें प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के सहयोग को गति देने के लिए कार्नी की प्रशंसा की तो वहीं कार्नी ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को उद्धृत किया और उनके प्रसिद्ध वाक्य की तर्ज पर कहा, हम आगे बढ़ेंगे, हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक विकसित भारत 2047 और कनाडा स्ट्रॉन्ग के लक्ष्य हासिल नहीं हो जाते। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत-कनाडा के बीच रक्षा डायलॉग और संसदीय मैत्री समूह की स्थापना की जाएगी और भारतऽकनाडा सीईओ फोरम का पुनर्गठन होगा। कनाडा ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस और इंटरनेशनल सोलर अलायंस में शामिल होगा। साथ ही भारत के सहयोग से कनाडा इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन में डायलॉग पार्टनर के तौर पर भी शामिल होगा।

मंत्रालय के अनुसार भारत में संयुक्त दाल प्रोटीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। वहीं कनाडा आगामी 17-30 मार्च तक होने वाले भारत जनजातीय उत्सव-2026 में भागीदारी करेगा।

विश्वविद्यालय कनाडा एक नई कनाडा-भारत संयुक्त योग्यता एवं नवाचार रणनीति लांच करेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर और इनोवेशन जैसे क्षेत्र में यूनिवर्सिटी/इंस्टीट्यूशन के बीच 24 साझेदारी समझौते होना तय किया गया है। इसके अलावा ग्लोबलिंक रिसर्च इंटर्नशिप, महत्वपूर्ण खनिज सहयोग, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) पी. कुमारन ने कहा कि इस दौरे के पांच ठोस नतीजे मिले। पहला, सीईपीए के लॉन्च के ज़रिए एक टिकाऊ आर्थिक सहारा देने पर सहमति बनी। सीईपीए के लिए शर्तों पर साइन करने से 2026 के आखिर तक एक बड़ा, संतुलित और दोनों के लिए फायदेमंद समझौता करने का एक साफ रोडमैप मिलता है।

कुमारन ने बताया कि नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री के बीच इजराइल-ईरान संकट पर चर्चा हुई। भारत ने ईरान और खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर गहरी चिंता जताई तथा सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव न बढ़ाने और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। संवाद और कूटनीति से समाधान पर जोर दिया गया। अपराध के मुद्दे पर कुमारन ने कहा कि भारत और कनाडा के बीच सुरक्षा सहयोग मजबूत हो रहा है। दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठकें दिल्ली और ओटावा में हुईं। आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह सक्रिय है। प्रत्यर्पण व कानूनी सहयोग पर चर्चा जारी है। नशीले पदार्थों और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने के लिए समन्वय बढ़ाने पर सहमति बनी।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने वक्तव्य में मेहमान नेता की दोनों देशों के संबंधों को गति देने के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि जल्द होने जा रहा व्यापार समझौता दोनों देशों में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अति आवश्यक खनिजों को लेकर हुए समझौते से सप्लाई मजबूत होगी। अंतरिक्ष क्षेत्र में दोनों के स्टार्टअप और बिजनेस आपस में जुड़ेंगे। प्रधानमंत्री ने इस दौरान आतंकवाद और चरमपंथ को मानवता की साझा चुनौती बताया और कहा कि इसके खिलाफ दोनों देशों का सहयोग वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बेहद जरूरी है। पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने संवाद और कुटनीति से माध्यम से सभी विवादों के समाधान का समर्थन किया। साथ ही बताया कि मौजूदा परिस्थियों में भारत अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम करता रहेगा।

वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में कहा कि पिछले एक वर्ष में दोनों देशों की सरकारों के बीच सहयोग में विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा, ह्यह महज़ एक रिश्ते का नवीनीकरण नहीं है, बल्कि एक मूल्यवान साझेदारी का विस्तार है जिसमें नई महत्वाकांक्षा, लक्ष्य और दूरदर्शिता झलकती है। यह दो आत्मविश्वासी देशों की साझेदारी है जो भविष्य के लिए अपना मार्ग स्वयं तय कर रहे हैं।

कश्मीर के कई हिस्सों में दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन, लाल चौक सील

एजेंसी

श्रीनगर। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में कश्मीर के कई हिस्सों में सोमवार को दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन हुआ। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने हल्का बल प्रयोग किया। लाल चौक स्थित प्रतिष्ठित घंटाघर को चारों ओर बैरिकेड लगाकर सील कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार शहर के बेमिना, गुंड हसीभाट और जहांगीर चौक इलाकों और दक्षिण कश्मीर के पुलवामा शहर में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। बड़ी संख्या में शिया आबादी वाले इन इलाकों में प्रदर्शनकारी एकत्र होकर अमेरिका और इजरायल विरोधी नारे लगाते हुए सड़कों पर मार्च किया। कुछ इलाकों में सुरक्षा बलों को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। छात्रों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर निजी स्कूलों सहित सभी शिक्षण संस्थानों को दो दिनों के लिए बंद कर दिया है। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं भी स्थगित की गई हैं।

प्रदर्शनकारियों के जमावड़े को रोकने के लिए शहर भर में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ कर्मियों को तैनात किया गया है।लाल चौक, सैदा कदल, बडगाम, बांदीपोरा, अनंतनाग और पुलवामा में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारी अमेरिका और इजरायल विरोधी नारे लगाते हुए अपनी छाती पीटते नजर आए। अधिकारियों ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि शहर में प्रवेश करने वाले महत्वपूर्ण चौराहों पर तार और बैरिकेड्स लगाए गए हैं।

सबको सुरक्षा का अहसास ही रामराज्य की अवधारणा : योगी

- भक्त प्रह्लाद की पूजा-अर्चना कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रवाना की भव्य शोभायात्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। गोरक्ष पीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों को होली की मंगलमय शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में आज कोई तनाव नहीं है। कोई भय नहीं, कोई अराजकता नहीं और न ही कोई गुंडागर्दी। सबको सुरक्षा का एहसास है और सबको विश्वास है। सबके मन में एक दूसरे के प्रति सम्मान का भाव है। यही अहसास और विश्वास, रामराज्य की अवधारणा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यही कहते हैं कि जब ऐसी स्थिति रहेगी तो भारत को विकसित बनने में कोई देर नहीं लगेगी।

मुख्यमंत्री योगी सोमवार शाम पांडेय हाता में होलिका दहन उत्सव समिति की ओर से आयोजित भक्त प्रह्लाद शोभायात्रा के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। होलिका दहन के दिन शोभायात्रा का शुभारंभ करने से पहले मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया में उपद्रव, अराजकता और अव्यवस्था है। पर, हम भारतवासी गर्व कर सकते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के रूप में नेतृत्व देश को नई बुलंदी देते हुए नए भारत का दर्शन करा रहा है। नया भारत हर व्यक्ति, हर तबके को अवसर देकर उत्सव का वातावरण देता है। योगी ने कहा कि हमारे यहां पर्व, त्योहारों की लंबी श्रृंखला है। पर, वर्ष 2014 के पहले लोग बेहतर तरीके से उत्सव नहीं मना पाते थे। यूपी में तो पर्व, त्योहार के पहले कर्फ्यू लग जाता था। समाज में भय और तनाव रहता था। तब की सरकारें समाज को बांटती थीं और इसका परिणाम व्यापारी और नागरिक चुकाते थे। तब गुंडागर्दी, अराजकता चरम पर थी। न बेटी सुरक्षित थी और न ही व्यापारी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का उत्तर प्रदेश सुरक्षा और सुविधा देकर उत्सव प्रदेश बन चुका है। अब यूपी में न कर्फ्यू है और न दंगा है, यूपी में अब सब चंगा है। सब ओर उत्सव का माहौल है। पिछले पंद्रह दिनों से मथुरा-वृंदावन में होली का कार्यक्रम चल रहा है। सबकुछ स्वतः स्फूर्त देखकर विदेशियों की आंखे फटी रह जाती हैं। योगी ने कहा कि जो लोग हम पर आरोप लगाते थे कि हम बंटे हुए हैं, वे बताएं कहां बंटे दिख रहे हैं। इस उत्सव में इतनी बड़ी संख्या में लोग आए हैं। किसी की जाति का पता नहीं है लेकिन सभी लोग होली का आनंद ले रहे हैं।

उप्र में सर्वजन दवा सेवन अभियान में 83 फीसदी लोगों ने खाई दवा

पांच से सात मार्च तक चलेगा मापअप राउंड

एजेंसी

- 1.40 करोड़ लोगों को दवा खिलाने के लक्ष्य के सापेक्ष 1.17 करोड़ ने कर लिया दवा सेवन
- पांच से सात मार्च तक चलने वाले मापअप राउंड में छूटे लोगों को खिलाई जाएगी दवा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में फाइलेरिया संक्रमण कम करने के लिए 21 जिलों में 10 से 28 फरवरी तक चले सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान में 83 फीसदी लोगों ने दवा का सेवन कर लिया है। बचे लोगों को कवर करने के लिए पांच से सात मार्च तक मापअप राउंड चलाया जाएगा। इस राउंड में छूटे हुए क्षेत्रों के अंदर स्थापित स्कूल, कालेज, कार्यालय, ईंट भट्ठे, जेल, अनाथालय, घूमंतू परिवार व होली की छुट्टी में बाहर से आए लोगों को कवर किया जाएगा। इसके अलावा रमजान के दृष्टिगत मुस्लिम इलाकों में शाम को दवा खिलाने का निर्देश दिया गया है। प्रदेश के 51 जिलों के 782 ब्लाक में फैली यह बीमारी लगातार सिमट रही है। इस बार के एमडीए अभियान में 21 जिलों के 64 ब्लाक में ही यह अभियान चलाया गया। इसलिए यह महत्वपूर्ण था कि कम से कम 90 प्रतिशत लोग दवा का सेवन जरूर करें। विभाग के जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक 1.40 करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष 1.17 करोड़ लोगों ने फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कर लिया है। बहराइच (93.2%), लखनऊ (91.8%), बांदा (91.3%), औरैया (89.5%) और सोनभद्र (89.5%) 90 प्रतिशत के विभागीय अपेक्षा को छू चुके हैं। सिर्फ अम्बेडकरनगर, उन्नाव, शाहजहांपुर व प्रयागराज ही 80 प्रतिशत से कम दवा खिला पाने वाले जिले हैं जहां पर मापअप राउंड के दौरान फोकस काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य फाइलेरिया अधिकारी डॉ एके चौधरी ने बताया कि दो दिन पहले हुई समीक्षा बैठक में एमडी एनएचएम डॉ पिंकी जोवेल ने सभी जिला मलेरिया अधिकारियों को निर्देश दिया है कि रमजान के दृष्टिगत मुस्लिम इलाकों में शाम को दवा खिलाने के लिए टीमें जाएं। इसके अलावा प्रवासी कामगारों को भी मापअप राउंड में दवा खिलाई जाए। उन्होंने बताया कि पांच से सात मार्च तक मापअप राउंड चलाने का निर्देश जारी कर दिया गया है। इस दौरान सभी जिलों को शत-प्रतिशत लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य पूरा करना है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार इस अभियान के दौरान 10, 17, 290 लोगों ने पहली बार स्वास्थ्य टीम पहुंचने पर दवा खाने से इनकार किया। बाद में सीएचओ-पीएसपी सदस्यों व दूसरे स्टेकहोल्डर ने उन्हें समझाया तो 7,42, 621 लोग मान गए और फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कर लिया।

महिलाएं हर क्षेत्र में नयी ऊंचाईयों को छू रही : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि महिलाएं समाज का अहम हिस्सा हैं और वे राजनीति, समाज सेवा, प्रशासन तथा व्यापार जगत समेत सभी क्षेत्रों में नई ऊंचाईयों को छू रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को यहां 'सशक्त नारी समृद्ध दिल्ली' के दिल्ली सरकार की महिलाओं से संबंधित चार योजनाओं का शुभारंभ करने के बाद कहा कि आज यहां कहा कि महिलाएं समाज का अहम हिस्सा हैं। उनका सम्मान, सशक्तीकरण सभ्य समाज की निशानी है। भारत का इतिहास महिलाओं की साहस, वीरता और त्याग और बलिदान की अनगिनत कथाओं से भरा हुआ है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के कुशल प्रशासन, न्याय परायणता एवं कल्याणकारी कार्यों का आज भी गुणगान किया जाता है। रानी लक्ष्मीबाई का साहस, मातृभूमि के लिए उनका बलिदान आज भी हम सभी देशवासियों के हृदय में प्रेरणा के दीप जलाते हैं। सावित्री बाई फुले ने महिला शिक्षा की ज्योति जगायी थी।

मात्र पेशे से सम्बोधित करना एससी-एसटी एक्ट के तहत अपराध नहीं, मंशा जरूरी : हाइकोर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति को उसके पेशे के आधार पर पुकारने मात्र से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत अपराध नहीं बनता। जब तक यह सिद्ध न हो कि ऐसे शब्द जानबूझकर उस समुदाय से संबंधित व्यक्ति को अपमानित करने की मंशा से कहे गए। जस्टिस अनिल कुमार-एक्स की पीठ ने गौतमबुद्ध नगर में एससी-एसटी के विशेष जज द्वारा अगस्त 2024 में पारित सम्मन आदेश को चुनौती देने वाली आपराधिक अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए यह टिप्पणी की। अपीलकर्ता को भारतीय दंड संहिता की धारा 323, 504 और 506 के साथ-साथ एससी-एसटी की धारा 3(1)(द) और 3(1)(ध) के तहत तलब किया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वह अपीलकर्ता के कपड़े धोती थी। एक दिन जब उसने अपनी मजदूरी मांगी तो उसके साथ रास्ते में दुर्व्यवहार किया गया और कथित रूप से जातिसूचक शब्द कहे गए। हाइकोर्ट ने पाया कि विवाद मजदूरी मांगने के बाद उत्पन्न हुआ और शिकायत में केवल इतना उल्लेख है कि जातिसूचक शब्द और धोबिन कहा गया। अदालत ने यह भी नोट किया कि दोनों पक्षों के बीच संविदात्मक संबंध है जिसमें शिकायतकर्ता कपड़े धोने का काम करती है। पीठ ने कहा कि किसी व्यक्ति को उसके पेशे से सम्बोधित करना अपने आप में अधिनियम के प्रावधानों को आकर्षित नहीं करेगा, जब तक यह स्थापित न हो कि शब्दों का प्रयोग विशेष रूप से अनुसूचित जाति या जनजाति समुदाय से सम्बंधित व्यक्ति को अपमानित करने की नीयत से किया गया।

बंगाल में सरकार बदलने पर सरकारी कर्मचारियों को 45 दिनों में मिलेगा डीए : अमित शाह

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में आयोजित परिवर्तन यात्रा की एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सरकारी कर्मचारियों, युवाओं और नौकरी के अभ्यर्थियों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने पर 45 दिनों के भीतर सरकारी कर्मचारियों को महंगाई भत्ता दिया जाएगा और 7वां वेतन आयोग लागू किया जाएगा। उन्होंने इसे लंबे समय से लंबित वित्तीय न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

दक्षिण 24 परगना जिले के रायदीघी विधानसभा क्षेत्र के भगवतीपुर में आयोजित सभा में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बंगाल के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना और सरकारी कर्मचारियों को उनका बकाया अधिकार दिलाना भाजपा की प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्य में सभी रिक्त सरकारी पदों को भरने की प्रक्रिया 26 दिसंबर से शुरू की जाएगी। भर्ती प्रक्रियाओं में देरी के कारण जिन युवाओं को नुकसान हुआ है, उन्हें पांच वर्ष की विशेष आयु छूट दी जाएगी ताकि वे फिर से रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें।

उन्होंने कहा कि राज्य में पारदर्शी और मेरिट आधारित भर्ती प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे नौकरी के अभ्यर्थियों का विश्वास बहाल हो सके। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की कमी के कारण युवाओं को नुकसान उठाना पड़ा है और भाजपा सरकार बनने पर इस स्थिति को बदला जाएगा।

सरकारी कर्मचारियों के मुद्दे पर बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि 7वां वेतन आयोग लागू होने से कर्मचारियों को वित्तीय स्थिरता मिलेगी और प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और महंगाई भत्ता सहित सभी बकाया लाभ सुनिश्चित किए जाएंगे। महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए 5700 करोड़ का विशेष प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाओं के लिए ऐसी योजनाएं लागू की जाएंगी, जिनसे उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

शिक्षक भर्ती से जुड़े विवाद का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा कि लगभग 26 हजार शिक्षकों से संबंधित मामले का पारदर्शी और विधिसम्मत समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए आवश्यक वित्तीय प्रावधान भी किया जाएगा ताकि योग्य उम्मीदवारों को न्याय मिल सके।

नदियों की स्वच्छता में योगी सरकार ने रचा नया अध्याय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को स्वच्छ प्रदेश बनाने की मुहिम समय के साथ तेज होती जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार अपशिष्ट जल को 'आर्थिक संपत्ति' में बदलने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रतिदिन 4500 मिलियन लीटर से अधिक सीवेज का शोधन किया जा रहा है। इस तरह प्रदेश अब लगभग 85 प्रतिशत गंदे पानी को उपचारित करने में सफल है। सरकार गंगा-यमुना समेत राज्य की तमाम नदियों की पवित्रता को बनाए रखने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है।

नमामि गंगे मिशन से मिली सीवरेज सिस्टम को मजबूती

नमामि गंगे मिशन के दूसरे चरण ने प्रदेश के सीवरेज सिस्टम को नई मजबूती दी है। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता के अनुसार जहां एसटीपी चालू हैं और क्षमता मौजूद है, वहां वर्ष 2030 तक 50 फीसदी और 2035 तक 100 फीसदी अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह कदम केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और स्वच्छ नदियों के सपने को साकार करने की दिशा में निर्णायक साबित हो रहा है।

यूपी बना 85 फीसदी सीवेज का शोधन करने में सक्षम राज्य

प्रदेश में अब तक 74 सीवर शोधन परियोजनाएं स्वीकृत की जा चुकी हैं, जिनमें से 41 पूरी होकर संचालन में भी आ चुकी हैं। शेष परियोजनाओं पर तेजी से कार्य जारी है। राज्य भर में 155 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) क्रियाशील हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यप्रणाली ने नदियों के संरक्षण के प्रयासों को नई गति दी है। हर परियोजना की मॉनीटरिंग की जा रही है, जिससे न केवल गंगा-यमुना की पवित्रता सुनिश्चित हुई है, बल्कि नगरों में जल प्रबंधन की व्यवस्था भी मजबूत हो रही है। राज्य

अपशिष्ट जल से विकास का नया मॉडल

योगी सरकार अब उपचारित जल के सुरक्षित पुनः उपयोग की नीति तैयार कर रही है। योजना तीन चरणों में लागू होगी।

1. नगरपालिका- पार्कों की सिंचाई, सड़क सफाई, सार्वजनिक उद्यानों में इस्तेमाल।

2. उद्योग और कृषि- औद्योगिक प्रक्रियाओं व खेतों की सिंचाई के लिए।

3. घरेलू गैर-पेय उपयोग- निर्माण कार्य समेत अन्य कार्यों में पुनर्चक्रण।

होली का पर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का परिचायक: सतीश महाना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि होली भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण और जीवंत पर्व है, जो प्रेम, सौहार्द, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। यह त्योहार हमें आपसी मतभेदों और कटुता को भुलाकर एक-दूसरे के प्रति सद्भाव, सहयोग और अपनत्व की भावना को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि होली का पर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का परिचायक है। यह समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। ऐसे अवसर पर हमें सामाजिक एकता, पारस्परिक सम्मान और सामंजस्य को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष ने प्रदेशवासियों से अपील की, कि वे होली का उत्सव शांति, सौहार्द और जिम्मेदारी के साथ मनाएं तथा प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि त्योहारों की वास्तविक भावना तभी सार्थक होती है, जब हम एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए उल्लासपूर्वक पर्व मनाएं। श्री महाना ने कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और नई ऊर्जा का संचार करे तथा हमारा प्रदेश निरंतर विकास, शांति और प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

यूपी में रिकॉर्ड इंस्टॉलेशन फरवरी में 35,804 रूफटॉप प्लांट स्थापित

- योजना के तहत 3,500 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी डीबीटी से हस्तांतरित, लगभग 4 लाख परिवार लाभान्वित

लखनऊ। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा विस्तार का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में रूफटॉप सोलर को जन-आंदोलन का रूप देते हुए प्रदेश ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। राष्ट्रीय पोर्टल के अनुसार राज्य में अब तक 11,64,038 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 3,93,293 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन पूर्ण हो चुके हैं। इसके माध्यम से 3,98,002 परिवार सीधे लाभान्वित हुए हैं। प्रदेश में कुल स्थापित सौर क्षमता 1,343.5 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश न केवल स्वच्छ ऊर्जा अपनाने में अग्रणी बन रहा है, बल्कि रोजगार सृजन, आर्थिक गतिविधियों के विस्तार, भूमि संरक्षण और डिजिटल ऊर्जा भविष्य की दिशा में भी एक नए युग का नेतृत्व कर रहा है। इस योजना के अंतर्गत 2,663.57 करोड़ रुपये की केंद्रीय सरकार की सब्सिडी तथा लगभग 920 करोड़ रुपये की राज्य सरकार की सब्सिडी लाभार्थियों के खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से सीधे हस्तांतरित की गई है। उत्तर प्रदेश जुलाई 2025 से लगातार देश में इंस्टॉलेशन के मामले में शीर्ष दो राज्यों में बना हुआ है, जो राज्य की निरंतर प्रगति और मजबूत क्रियान्वयन क्षमता को दर्शाता है। यूपीनेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह ने बताया कि फरवरी माह 2026 में उत्तर प्रदेश के लिए सौर ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियों का माह साबित हुआ। इस एक माह के भीतर रिकॉर्ड 35,804 रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित किए गए। साथ ही 28 फरवरी 2026 को एक ही दिन में 2,211 इंस्टॉलेशन कर उत्तर प्रदेश ने पूरे भारत में किसी भी राज्य द्वारा एक दिन में किए गए सर्वाधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन का राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया। यह उपलब्धि राज्य की तीव्र कार्यक्षमता और मिशन मोड में चल रहे क्रियान्वयन का प्रमाण है। इस योजना ने प्रदेश में व्यापक सौर ऊर्जा अर्थव्यवस्था को जन्म दिया है। वर्तमान में 4,500 से अधिक वेंडर्स सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं, जिससे 60,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। प्रतिदिन औसतन 4 से 5 मेगावाट रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन किए जा रहे हैं, जिससे राज्य में प्रतिदिन लगभग 20 से 25 करोड़ रुपये का व्यवसाय उत्पन्न हो रहा है। रूफटॉप सोलर के माध्यम से प्रतिदिन 60 लाख यूनिट से अधिक मुफ्त बिजली का उत्पादन हो रहा है, जिसका अनुमानित आर्थिक मूल्य लगभग 4 करोड़ रुपये प्रतिदिन है। रूफटॉप सोलर मॉडल का एक महत्वपूर्ण लेकिन अप्रत्यक्ष लाभ भूमि संरक्षण के रूप में सामने आया है। इस योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश में 5000 एकड़ से अधिक भूमि की बचत हुई है। यदि यही क्षमता ग्राउंड-माउंटेड सोलर प्लांट्स के माध्यम से स्थापित की जाती, तो विशाल भू-भाग की आवश्यकता होती। अब यह भूमि औद्योगिक, वाणिज्यिक, कृषि तथा अन्य विकासात्मक गतिविधियों के लिए उपलब्ध रह सकती है। तेजी से बढ़ते इंस्टॉलेशन ने सौर उद्योग से जुड़े उपकरणों जैसे मॉड्यूल, इन्वर्टर, स्ट्रक्चर और केबल की मांग को भी बढ़ाया है, जिससे प्रदेश में एक मजबूत सप्लाई चेन विकसित हुई है। साथ ही, सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि से कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आ रही है, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उत्तर प्रदेश अब सौर ऊर्जा को भविष्य के डिजिटल ऊर्जा व्यापार मॉडल से जोड़ने की दिशा में भी अग्रसर है।

मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने प्रदेशवासियों को होली की दीं शुभकामनाएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने रंगों के पावन पर्व 'होली' पर जनपदवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल रंगों का नहीं बल्कि परस्पर प्रेम, सम्मान, सौहार्द और सहयोग का प्रतीक है। प्रभारी मंत्री ने जिलाधिकारी, पुलिस कमिश्नर एवं नगर आयुक्त को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि होली पर्व को देखते हुए जनपद के प्रमुख स्थानों पर साफ सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं के व्यापक प्रबंध किए जाएं। उन्होंने कहा कि जनपद में होली पर्व व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। विभिन्न स्थानों पर होलिका दहन पूजा तथा होली पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसको दृष्टिगत रखते हुए आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो जिसके लिए आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए हैं। श्री खन्ना ने आम जन से अपील की है कि रंगों के इस पावन पर्व को आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों पालन करें और सामाजिक आत्मीयता के साथ होली पर्व को मनाएं।

सुलतानपुर की रजनी बाला ने हस्तशिल्प से बनाई अपनी पहचान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सामाजिक परिवर्तन और नई संभावनाओं का दौर जारी है। महिलाएं अपने संकल्प और परिश्रम से आत्मनिर्भर विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत आधारशिला बन रही हैं। सुलतानपुर के कुड़वार ब्लाक के गांव हरखपुर की रहने वाली रजनी बाला इसका सशक्त उदाहरण हैं, जिन्होंने मूंज उत्पादों में सिकहुला, भउका, दौरी, डोलची और कप जैसी कलाकृतियों को बढ़ावा देकर अपनी अलग पहचान बनाई है। रजनी बाला ने 12वीं तक शिक्षा प्राप्त की है। वह बताती हैं कि मूंज शिल्प का हुनर उन्हें अपनी मां से विरासत में मिला। उनकी मां भी मूंज के उत्पाद तैयार करती थीं। बचपन से ही रजनी को इस कार्य का पारिवारिक वातावरण और व्यावहारिक अनुभव मिलता रहा। उसी सीख और लगन के दम पर आज रजनी विभिन्न प्रकार के मूंज उत्पाद बनाकर आत्मनिर्भर बनी हैं। उनके पति दिल्ली में एक निजी कंपनी में कैब चलाते हैं और रजनी के काम में पूरा सहयोग देते हैं। उनके दो बच्चे हैं। बेटा लखनऊ में मेडिकल की पढ़ाई कर रहा है। बेटी सुलतानपुर के एक विद्यालय में अध्ययनरत है। मूंज के प्रत्येक उत्पाद की कीमत अलग-अलग होती है लेकिन लाभ की दृष्टि से यह व्यवसाय काफी मजबूत है। रजनी बाला बताती हैं कि औसतन हर उत्पाद पर लगभग 50 प्रतिशत तक शुद्ध लाभ हो जाता है। यदि किसी उत्पाद को तैयार करने में 100 की लागत आती है, तो उसका बाजार मूल्य लगभग 150 होता है। उनके व्यवसाय को अब अन्य राज्यों से भी पहचान मिल रही है। अब तक का उनका सबसे बड़ा और लाभदायक ऑर्डर राजस्थान से मिला, जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने करीब 100 महिलाओं को रोजगार का अवसर दिया। इस तरह रजनी बाला न केवल स्वयं सशक्त बन रही हैं, बल्कि क्षेत्र की अन्य महिलाओं को भी आजीविका से जोड़कर सामूहिक आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। रजनी बाला ने बताया कि उनके मूंज उत्पादों के निर्माण और विपणन में जिला उद्योग कार्यालय का महत्वपूर्ण सहयोग मिल रहा है। विशेष रूप से जिला उपायुक्त सुश्री नेहा सिंह के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से उन्हें अपने उत्पादों को बड़े मंच तक ले जाने का अवसर मिला। इसी सहयोग के चलते उन्होंने नोएडा, सुलतानपुर के साथ-साथ लखनऊ और आसपास के अन्य जिलों में भी स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों की सफलतापूर्वक बिक्री की है। सरकारी समर्थन और अपने परिश्रम के बल पर रजनी बाला आज स्थानीय शिल्प को व्यापक बाजार से जोड़ते हुए आत्मनिर्भरता की सशक्त मिसाल बनी हैं। राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाएं प्रदेशभर में महिलाओं और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रही हैं। राज्य स्तर पर अब तक लाखों महिलाओं एवं युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। इन योजनाओं के प्रभाव से सुलतानपुर सहित कई जिलों में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जो युवा कभी बेरोजगारी से जूझ रहे थे, वे आज आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर रहे हैं।

होली अधर्म पर धर्म की विजय का उत्सव: केशव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रंगों के उत्सव होली के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस पर्व को आपसी प्रेम, सामाजिक समरसता और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बताया है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि होली का त्योहार हमारी गौरवशाली संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। यह पर्व समाज के सभी वर्गों के बीच भेदभाव को मिटाकर एक-दूसरे के प्रति स्नेह और भाईचारा बढ़ाने का संदेश देता है।

होली केवल रंगों का खेल नहीं बल्कि यह अधर्म पर धर्म की विजय का उत्सव है। भक्त प्रहलाद की अटूट श्रद्धा विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।उन्होंने अपील की कि इस पावन पर्व पर हम सभी आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाएं और एक सशक्त व समावेशी समाज के निर्माण का संकल्प लें।

बाजार पर चढ़ा रंगोत्सव का खुमार, रंग के बाद बंद होंगे बाजार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। शहर के बाजारों में रंगोत्सव की खरीदारी के लिए भीड़ बढ़ गई है। इंदिरानगर, भूतनाथ, गोमतीनगर, पत्रकारपुरम, अलीगंज, डंडहिया, आलमबाग, चौक, रकाबगंज, यहियागंज, नाका हिंडोला समेत सभी बाजारों में लगी पिचकारी, रंग, गुलाल, गुझिया, मिष्ठान, कचरी-पापड़, कपड़ा समेत दुकानों पर खरीदारों का हुजूम दिख रहा है। रविवार देर रात तक मिठाई, रंग, पिचकारी, नमकीन और मिठाई की दुकानों में खूब भीड़ रही। ग्राहकों को मिठाई की दुकानों में गुझिया व अन्य मिठाई खरीदने के लिए इंतजार करना पड़ा। रंग, पिचकारी, मिष्ठान, ड्राई फ्रूट आदि बाजार मंगलवार को भी खुलेंगे। सोमवार व मंगलवार को बाजार खुले रहेंगे। उत्तर प्रदेश कपड़ा उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष अशोक मोतियानी और स्वदेशी मार्केट के महामंत्री प्रभू जालान ने बताया कि अमीनाबाद, गणेशगंज समेत अन्य बाजारों में भी कपड़े की दुकानें मंगलवार को खुली रहेंगी। उन्होंने बताया कि होली के साथ साथ ईद के लिए पठानी सूट, प्रिंटेड पठानी सूट, कुर्ता पायजामा और लेनिन शर्ट व टाउजर की मांग ज्यादा है। मिठाई की दुकानें भी मंगलवार को खुलेंगी। अमीनाबाद बाजार में पंडाल तैयार हो रहा है। लखनऊ व्यापार मंडल के चेयरमैन व पांडेयगंज गल्ला मंडी के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि सोमवार शाम कोपांडेयगंज में फूलों की होली खेली जाएगी। रंग और गुलाल भी चलेगा। मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को थोक बाजार बंद रहेगा। शुक्रवार से पांडेयगंज गल्ला मंडी फिर से खुलेगी। वहीं लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ ने कहा कि ज्यादातर बाजार होली पर 3 और 4 यानी मंगलवार और बुधवार को बंद रहेगा। आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि बाजार तीन चार और पांच को बंद रहेंगे। बाजारों में खरीदारी के लिए जा रहे हैं तो कोशिश करें वाहन न ले जाएं। चार पहिया तो किसी भी हालत में नहीं। वजह जबरदस्त भीड़ है। पार्किंग के लिए जगह नहीं है और बाजार में कही भी वाहन खड़ा करेंगे तो उसे क्रेन उठा सकती है। ऐसे में दो पहिया वाहन या फिर सार्वजनिक वाहनों का प्रयोग कर ही बाजार पहुंचे। इससे वह मन मुताबिक खरीदारी का मजा ले सकेंगे। लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा कि बाजार का आनंद लेना है तो ग्राहक पैदल घूमकर खरीदारी करें। थोक बाजार में तो बड़े वाहन कतई न ले जाएं। जिससे उन्हें किसी तरह की दिक्कत न हो।

उत्तर प्रदेश में 'फ़ेस्टिवल इकोनॉमी' बनी आर्थिक इंजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- सुरक्षा और सुशासन से बदली तस्वीर, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था से बढ़ा भरोसा, त्योहारों के दौरान कई गुना तक बढ़ा फुटफॉल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार का दावा है कि प्रदेश में बीते नौ वर्षों में पर्व-त्योहारों के आयोजन का स्वरूप बदला है। सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक तैयारी और राजनीतिक स्तर पर बढ़ी सक्रियता के चलते प्रमुख पर्वों-त्योंहारों पर सांस्कृतिक आयोजनों का दायरा कहीं ज्यादा व्यापक हो गया है। इसका सीधा असर प्रदेश की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। योगी सरकार के प्रयासों से नौ वर्षों में बदले परिदृश्य ने प्रदेश में इस फ़ेस्टिवल इकॉनमी को जन्म दिया है, जिसके माध्यम से न सिर्फ राज्य स्तर पर, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी बाजार में कारोबार कई गुना तक बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि उत्तर प्रदेश में फ़ेस्टिवल इकॉनमी को गति देने में योगी सरकार में सुदृढ़ कानून-व्यवस्था निर्णायक कारक बनी है। प्रमुख पर्व-त्योहारों पर राज्य से लेकर जिला स्तर तक विशेष सुरक्षा प्लान लागू किए जाते हैं। संवेदनशील जिलों और धार्मिक नगरों में अतिरिक्त पुलिस व पीएसी बल की तैनाती, महिला सुरक्षा दल और दंगा नियंत्रण इकाइयों की सक्रिय मौजूदगी सुनिश्चित की जाती है। ड्रोन से रियल टाइम निगरानी, प्रमुख बाजारों व आयोजन स्थलों पर व्यापक सीसीटीवी कवरेज और इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम के जरिए 24x7 मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। प्रशासन और व्यापारी संगठनों के अनुसार बेहतर सुरक्षा माहौल का सीधा असर बाजार पर दिखा है। होली, दीपावली और नवरात्र जैसे अवसरों पर कई प्रमुख बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में 30 से 50 प्रतिशत तक अधिक फुटफॉल दर्ज किया गया। भरोसेमंद कानून-व्यवस्था ने न सिर्फ लोगों को खुलकर पर्व-त्योहारों का उत्सव मनाने का अवसर दिया है। व्यापार मंडल पदाधिकारियों का कहना है कि पिछले नौ वर्षों में त्योहारों के दौरान बाजार गतिविधियों का दायरा स्पष्ट रूप से बढ़ा है। दीपावली, होली और नवरात्र जैसे प्रमुख अवसरों पर खुदरा बाजार में सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक कारोबार दर्ज किया जा रहा है। कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, सर्राफा, मिठाई, सजावटी सामग्री और पूजा उत्पादों की मांग में लगातार उछाल आया है। व्यापारिक संगठनों का दावा है कि संगठित प्रबंधन और बेहतर कानून-व्यवस्था के कारण ग्राहकों का भरोसा बढ़ा है, जिससे बिक्री के आंकड़े मजबूत हुए हैं। त्योहारों के सांस्कृतिक आयोजनों के विस्तार का प्रभाव पर्यटन और सेवा क्षेत्र में भी दिखाई देता है। अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज और मथुरा जैसे शहरों में बड़े आयोजनों के दौरान होटल ऑक्यूपेंसी दर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। परिवहन, टूर ऑपरेटर, टैक्सी, ई-रिक्शा और खानपान कारोबार में भी उछाल आया है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार संगठित और सुरक्षित आयोजनों के कारण श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे अस्थायी और स्थायी दोनों प्रकार के रोजगार के अवसर बढ़े हैं। अधिकारियों का मानना है कि कानून-व्यवस्था की सख्ती, प्रशासनिक समन्वय और त्योहारों के योजनाबद्ध विस्तार ने इन आयोजनों को केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों का सशक्त माध्यम बना दिया है। त्योहारों के विस्तारित स्वरूप का प्रभाव परंपरागत कारीगरों पर स्पष्ट दिखाई देता है। अयोध्या के दीपोत्सव के दौरान लाखों दीयों की मांग ने आसपास के जिलों के कुम्हारों को बड़े स्तर पर ऑर्डर उपलब्ध कराए। कई स्थानों पर प्रशासन और स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से स्थानीय कुम्हारों से सीधे खरीद की व्यवस्था की गई, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसी तरह, वाराणसी की देव दीपावली और प्रयागराज के माघ मेले जैसे आयोजनों में हस्तशिल्प, पूजा सामग्री और पारंपरिक सजावटी वस्तुओं की बिक्री में तेज उछाल दर्ज किया गया। मथुरा-वृंदावन की होली के दौरान गुलाल, पारंपरिक परिधान और धार्मिक उपहार सामग्री के कारोबार में बढ़ोतरी देखी गई। नवरात्र और दुर्गा पूजा के समय मूर्तिकारों, पंडाल निर्माताओं, लाइटिंग और साउंड सिस्टम से जुड़े व्यवसायों को बड़े पैमाने पर काम मिला। दीपावली पर दीये और मोमबत्ती, नवरात्र में प्रसाद पैकिंग, होली पर हर्बल गुलाल, पापड़-चिप्स जैसे पारंपरिक खाद्य उत्पाद और त्योहार आधारित गिफ्ट पैक्स तैयार कर समूहों ने शहरी बाजारों और सरकारी मेलों में स्टॉल के माध्यम से उल्लेखनीय बिक्री की। ग्रामीण उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंच मिलने से कुटीर उद्योगों को स्थायी बाजार आधार मिला है।

होली पर निर्बाध बिजली आपूर्ति में जुटेंगे कर्मी, 1 से 4 मार्च तक नहीं करेंगे आंदोलन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। होली के पावन पर्व को देखते हुए विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने 1 मार्च से 4 मार्च तक प्रदेश में कोई आंदोलन, प्रदर्शन या कार्य बहिष्कार नहीं किया जाएगा और सभी बिजली कर्मी उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में पूरी निष्ठा से जुटे रहेंगे। संघर्ष समिति ने पॉवर कारपोरेशन प्रबंधन के चेयरमैन से मांग की है कि होली जैसे सौहार्द और सामाजिक समरसता के पर्व से पूर्व निजीकरण के नाम पर बिजली कर्मियों के विरुद्ध की गई सभी उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां तत्काल वापस ली जाएं। समिति का कहना है कि पर्व के समय निलंबन और स्थानांतरण जैसी कार्रवाइयों से कर्मियों में तनाव उत्पन्न हो रहा है। समिति ने स्पष्ट किया कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में चल रहा आंदोलन होली के बाद और अधिक व्यापक व तेज किया जाएगा। निजीकरण का निर्णय पूरी तरह वापस होने तक संघर्ष जारी रहेगा, लेकिन त्योहार के दौरान सामाजिक जिम्मेदारी को प्राथमिकता दी जाएगी। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि जब बिजली कर्मी होली पर निर्बाध आपूर्ति के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, उसी समय राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश में बड़े पैमाने पर निलंबन और स्थानांतरण की कार्रवाई कर वातावरण को तनावपूर्ण बनाया गया है।

तरावीह मुकम्मल होने पर मस्जिद में गूंज उठीं दुआएं, मुल्क व कौम की खुशहाली की मांगी दुआ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। मुकद्दस रमज़ान माह में अदा की जाने वाली तरावीह नमाज़ का मुकम्मल बड़े ही अकीदतए एहतराम और रूहानी माहौल के बीच मस्जिद नुरुल मजीद कन्हई पुरवा हरदोई में हुआ। पूरे रमज़ान माह मस्जिद में बड़ी तादाद में रोज़ेदारों और नमाज़ियों की मौजूदगी रही, जहां इबादत, तिलावत-ए-कुरआन और दुआओं का सिलसिला जारी रहा। तरावीह में कुरआन पाक मुकम्मल सुनाने की सआदत हाफिज इनामुलहक और उनके साहबजादे मोहम्मद को हासिल हुई। हाफिज़ की खूबसूरत तिलावत से नमाज़ियों में खास रूहानियत का माहौल बना रहा।

तरावीह मुकम्मल होने के बाद खास दुआ का आयोजन किया गया, जिसमें जमशेद तैयब (जमशेद भाई) ने दुआ करवाई। उन्होंने मुल्क में अमन-चैन, भाईचारा, तरक्की, कौम की सलामती और पूरी इंसानियत की भलाई के लिए दुआएं मांगीं। दुआ के दौरान नमाज़ियों की आंखें नम हो गईं और पूरा माहौल इबादत में डूबा नजर आया। इस अवसर पर मस्जिद के मुतवल्ली नोशद आलम मंसूरी ने सभी नमाज़ियोंए रोज़ेदारों और इंतजामिया कमेटी का शुक्रिया अदा किया और मिठाई तकसीम की तथा रमज़ान की बरकतों और इबादत की अहमियत पर रोशनी डाली।

पुलिस बल के साथ किया पैदल मार्च

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। सोमवार को एसडीएम नेतृत्व शाहाबाद अंकित तिवारी क्षेत्राधिकारी हरियावां अजीत चौहान और पिहानी कोतवाल छोटेलाल ने पुलिस बल के साथ किया पैदल मार्च जनसंवाद और निर्देशअधिकारियों ने स्थानीय दुकानदारों और व्यापारियों से सीधा संवाद किया और उनसे त्योहारों को आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की। यातायात नियमों पर सख्ती चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल पर ट्रिपल सवारी करने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई। साथ हीए सड़कों पर तिरछे ऑटो रिक्शा खड़े कर जाम लगाने वाले चालकों को भी कड़ाई से समझाया गया।सोशल मीडिया पर निगरानी प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक या भ्रामक पोस्ट करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा के आधुनिक इंतजाम सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए ड्रोन (आसमान से तीसरी आँख) के जरिए निगरानी की जाएगी और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सादी वर्दी में महिला पुलिसकर्मी भी तैनात रहेंगी।

एन0एच0एम0 कर्मचारियों को नहीं मिला वेतन होली का रंग फीका

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शासन के आदेश उपरांत 27 फ़रबरी को ही वेतन बिल शासन को भेज दिए गए आदेश के बावजूद एनएचएम कर्मचारियों को होली के त्योहार पर वेतन नहीं मिल सका इससे कर्मचारियों के त्यौहार का रंग फीका पड़ने के साथ गुझिया की मिठास भी काम हो गई।

■ शासन से 28 फ़रवरी तक वेतन भुगतान के दिए गए थे आदेश

रंगों का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया जाए इसके लिए शासन से फरवरी का वेतन होली से पहले 28 फरवरी तक भुगतान करने के आदेश दिए गए इससे कर्मचारियों में खुशी थी परिवार को भी उम्मीद थी वेतन मिल जाने से त्यौहार अच्छे से मनाएंगे। इसके चलते शनिवार को अवकाश के दिन भी सभी बैंक खुले और कोषागार में भी रोज की तरह काम किया गया जिन विभागों से वेतन बिल आए उनकी वेतन भुगतान की प्रक्रिया भी पूरी हुई फिलहाल स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के खाते में वेतन नहीं पहुंचा। इससे एनएचएम कर्मचारियों के अलावा आउटसोर्स ठेका कर्मियों का भी वेतन भुगतान नहीं हुआ और कर्मचारियों की खुशियों की मिठास व होली के रंग फीके पड़ गए। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष डॉक्टर जावेद खान ने बताया कि एनएचएम कर्मचारियों का वेतन नहीं मिला इससे शासन का आदेश भी असर हो गया वही वेतन न मिलने से होली की तैयारियां भी फीकी पड़ गई।

पिहानी में शिया बिरादरी ने निकाला कैंडल मार्चः ईरान में सैन्य हमलों और आयतुल्लाह खामेनेई की मौत पर जताया शोक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। में शिया बिरादरी ने बुधवार शाम एक कैंडल मार्च और जलसा.ए.ताज़ियत ;शोक सभाद्ध का आयोजन किया। यह कार्यक्रम ईरान में कथित अमेरिकी.इजरायली सैन्य हमलों और ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली ख़ामेनेई की मौत की खबरों के विरोध में किया गया।

शिया जामा मस्जिद, पिहानी से शुरू हुआ यह कैंडल मार्च मुख्य मार्गों से होते हुए बब्बे मियां फाटक पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के रूप में संपन्न हुआ। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मौलाना ने हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान में किए गए सैन्य हमलों का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि इन ऑपरेशनों में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली ख़ामेनेई की मौत की खबरें सामने आई हैं, जिससे मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ गया है। उन्होंने आगे बताया कि ईरान और अमेरिका-इज़राइल के बीच दशकों से तनाव रहा है, खासकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम क्षेत्रीय शक्ति संतुलन और सुरक्षा मुद्दों को लेकर। हाल के वर्षों में यह संघर्ष मिसाइल हमलों, हवाई हमलों और जवाबी कार्रवाई के रूप में सामने आया है। मौलाना ने कहा कि जहां एक ओर कई देशों में लोग शांति और न्याय की आवाज उठा रहे हैं, वहीं हमलावरों और संघर्षों में मारे गए लोगों की याद मध्य पूर्व में भी गंभीर परिस्थितियां पैदा कर रही है। प्रदर्शन के दौरान एक भावनात्मक माहौल देखा गया। मतवालों सीमा साइमा नाज़िया सहित कई महिलाओं ने कैंडल मार्च में भावपूर्ण ढंग से अपना दुख व्यक्त किया। लोगों ने आंसुओं और दुआओं के साथ उन लोगों को याद किया जिनका जीवन संघर्ष हिंसा या युद्ध के कारण प्रभावित हुआ है। यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था बनाए रखी। बब्बे मियां फाटक पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआए जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया।

अवैध खनन में लगी जेसीबी व डंपर सीज, पुलिस की कार्यवाही से खनन माफियाओं में हड़कंप

पुलिस द्वारा पकड़ी गई अवैध खनन में लगी जेसीबी व डंपर फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। कोतवाली कछौना के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र में हो रहे लगातार अवैध खनन पर सख्त रुख अपनाते हुए प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही की है! देर रात मिली सूचना के आधार पर पुलिस विभाग की टीम ने अवैध खनन में लगे एक जेसीबी को मय चालक मौके से पकड़कर सीज कर दिया है जबकि एक डम्पर को सोमवार की सुबह पड़कर सीज किया गया है!

बताया जा रहा है कि पुलिस को सूचना मिली कि औद्योगिक क्षेत्र फेज टू में बिना परमिट के खनन माफिया धरती का सीना चीरकर अवैध खनन कर रहे हैं! टीम के मौके पर पहुंचते ही खनन माफियाओं में अफरा-तफरी मच गई व अंधेरे का फायदा उठाकर अवैध खनन में लगे कुछ लोग अपने वाहनों को लेकर मौके से फरार हो गए! कोतवाली प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि खनन कार्य में लगे वाहनों को मौके से पड़कर थाने लाकर सीज कर दिया गया है तथा संबंधित धाराओं में मुकदमा भी पंजीकृत किया गया है! जिसमें खनन विभाग द्वारा जुर्माना व अन्य वैधानिक कार्यवाही भी की जाएगी! वहीं गिरफ्तार चालक के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है! प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा! क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है और आगे भी अभियान जारी रहेगा! वहीं स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अगर प्रशासन सख्त रुख अपनाये तो अवैध खनन पर अंकुश लग सकता है लेकिन प्रशासन की ढीला पोली से ही खनन माफियायों के हौंसले बुलंद

कुबेर लाल जन सेवा संस्थान द्वारा बच्चो के साथ मनाया गया होलिकोत्सव कार्यक्रम

पर कुबेर लाल जन सेवा संस्थान द्वारा ग्रामसभा गुलरी पुरवा जाकर जरूरत मंद बच्चों के साथ मनाया गया रंग पर्व होली का रंगारग कार्यक्रम तत्पश्चात बच्चो को अमीर गुलाल रंग, पिचकारी, चिप्स, बिस्किट, पापड़ आदि सामग्री का वितरण किया होली पर्व की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। इस अवसर पर आभाष कुमार, गौरव ठाकुर, प्रशांत गुप्ता, नितिन, श्याम चंदेल, सोहन, हिमांशु गौतम, शिरीष राजवंशी, हर्ष सिंह, सूरज सिंह, आदि मौजूद रहे।

कुबेर लाल जन सेवा संस्थान द्वारा बच्चो के साथ मनाया गया होलिकोत्सव कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। सोमवार को सरस्वती शिशु मन्दिर पिहानी हरदोई में होलिकोत्सव कार्यक्रम धूम धाम से मनाया गया इस अवसर पर विद्यालय के प्रवंक श्री गोपाल कृष्ण गुप्ता एवं अध्यक्ष बृजेश गुप्ता के द्वारा सम्मत आचार्य बंधु भगिनी को विद्यालय वेश देकर सम्मानित करते हुए होली की शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य बिंदु सिंह कार्यालय प्रमुख समीर बाजपेई सुषमा कुसुमांजलि निशा नैना अंशिका साक्षी ममता अमृता कौशल शिवम अक्षय अखिलेश सहित समस्त आचार्य बंधु भगिनी उपस्थित रहे। अन्त में समीर बाजपेई ने सभी का आभार ज्ञापन किया मंगल मंत्र के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

हर हाल में चुनाव लड़ने का पारीषा तिवारी ने किया ऐलान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

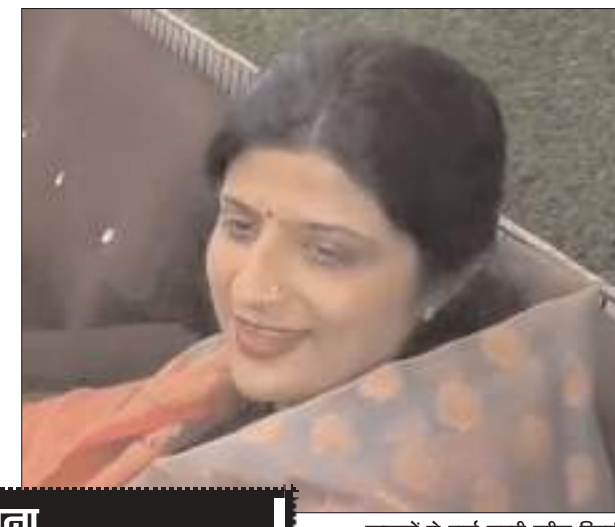

पत्रकारों से वार्ता करती परीषा तिवारी

शाहाबाद (हरदोई)। नगर के रेस्टोरेंट में सोमवार को दोपहर में भाजपा नेत्री और समाज सेविका पारीषा तिवारी होली मिलन समारोह के तहत मीडिया मीट में पत्रकारों से रूबरू हुई। उन्होंने बताया पिछले लगभग एक वर्ष से शाहाबाद विधान सभा को उन्होंने अपनी राजनैतिक कर्म भूमि बनाकर जनसेवा का संकल्प लिया है। वह भाजपा के घोषणा पत्र सबका साथ सबका विकास के रास्ते पर चल रही हैं। भाजपा सरकार ने आम आदमी के लिए काफ़ी संख्या में कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है। जिसका लाभ सभी वर्ग के लोगों को समान रूप से मिल रहा है। वह भी भाजपा की निष्ठावान कार्यकर्ता है और शाहाबाद से भाजपा के टिकट की दावेदार हैं अगर भाजपा नेतृत्व उन पर विश्वास जता कर आगामी विधान सभा में प्रत्याशी बनाता हैए तो वह चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने इस अवसर पर आये सभी लोगों को होली पर्व की शुभकामनायें दी।

अब्दुल्ला नगर में होलिका दहन मंगलवार को चंद्र ग्रहण के कारण ग्राम पंचायत ने लिया सर्वसम्मत फैसला

पिहानी (हरदोई)हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पिहानी विकास खंड की अब्दुल्ला नगर ग्राम पंचायत में होलिका दहन अब मंगलवार को किया जाएगा। चंद्र ग्रहण के कारण सोमवार को होने वाला होलिका दहन स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय ग्राम डॉक्टर मदन लाल मिश्रा पूर्व जिला पंचायत दिलीप मिश्रा अगम प्रकाश त्रिवेदी कमले यादव शिवम त्रिवेदी सुभाष गुप्ता सुनीत गुप्ता मिंदर गुप्ता रामभजन गुप्ता, शिवसागर गुप्ता सहित सभी ग्रामवासियों ने सर्वसम्मति से लिया। ग्रामवासियों ने बताया कि होली के दिन चंद्र ग्रहण होने के कारण सोमवार को होलिका दहन नहीं किया जाएगा। अब होलिका दहन मंगलवार की रात को संपन्न होगा। इसके बाद बुधवार को होली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। ग्रामवासियों के अनुसार, सूतक काल समाप्त होने के पश्चात ही विधि-विधान से अग्नि प्रज्वलित की जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत-रौरा, विकास खण्ड-साण्डी, हरदोई

पत्रांक-मेमो/ निविदा/मनरेगा/2025-26 दिनाँक-02.03.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

मनरेगा के अन्तर्गत कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्यों पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो / भट्ठा मालिकों से दिनाँक-03.03.2026 से दिनाँक-07.03.2026 तक शाम 03:00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं को दिनाँक-07.03.2026 शाम 04:00 बजे फर्मो अथवा उनके नामित प्रतिनिधियों के समक्ष कार्यालय में गठित समिति सदस्यों के समक्ष खोली जाएगी। निविदा प्रपत्रों की बिक्री उपरोक्त अवधि मे सायं 05:00 तक ग्राम पंचायत कार्यालय में क्रय की जा सकती है।

क्रं0 सं0	कार्य का नाम	सामग्री	प्राकलन के अनुसार स्वीकृत धनराशि	टेण्डर बिक्री की धनराशि	सामग्री आपूर्ति की अवधि
1.	कृपा शंकर के मकान से सुनील के मकान तक इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	ईंटा, सीमेंट, मौरंग, बालू इण्टरलाकिंग ईंट आदि	282709.00 रु0	100 रु0	07 दिन

नोट . नियम व शर्तो निम्नवत हैं

1. एक अथवा समस्त निवेदाये, कोटेशन बिना कारण बताएं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत का होगा।
2. सामग्री की मात्रा आवश्यकता घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
3. समस्त सामग्री के आपूर्ति कार्य स्थल पर की जाएगी।

(मीना देवी)
प्रधान
ग्राम पंचायत-रौरा,
विकास खण्ड- साण्डी, हरदोई

(रविन्द्र कुमार)
सचिव
ग्राम पंचायत-रौरा,
विकास खण्ड- साण्डी, हरदोई

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैने अपने पुत्र सुमित व उसकी पत्नी प्रिया के गलत चाल-चलन से परेशान होकर अपने समस्त सम्बन्ध विच्छेद कर उसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है। अब सुमित व प्रिया अने सभी नैतिक व अनैतिक कार्यो, लेनदेन आदि के स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरी या मेरे परिवारीजनों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सत्यपाल पुत्र हत्तू,
पता- ग्राम रैंसो थाना कछौना, तहसील सण्डीला, हरदोई

भारत की सतरंगी संस्कृति का पर्व

रंगों और मस्ती का उत्सव होली आती है तो प्रकृति भी इस समय खिल जाती है और मन भी। देश के अलग-अलग हिस्सों में इससे जुड़ी रोचक परंपराएं हैं। होली का उल्लेख प्राचीन मंदिरों, लोक कथाओं और पौराणिक ग्रंथों में भी है। इसके साथ खान-पान, संगीत, दस्तकारी और लोक कलाओं की रिवायतें जुड़ी हैं। होली के रंग अमीर-गरीब का भेद व वैर-भाव भुलाकर सभी को बराबरी पर लाते हैं। यह पर्व सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। होली रंगों का त्योहार है, पर केवल रंग उड़ाने या मौज मस्ती तक सीमित नहीं है। अवध के इलाके में परंपरा है कि होली के बाद सब एक-दूसरे के गले मिलते हैं। यह क्रम करीब एक पखवाड़े तक चलता है। हरेक परिवार अपने पड़ोस के हरेक घर में होली मिलने जाता है। पड़ोसी उनके घर आते हैं। यह क्रम करीब एक पखवाड़े तक चलता है। ऐसी परंपराएं होली को सामाजिक मेलजोल का सबसे बड़ा त्योहार बनाती हैं। पूरे देश में ऐसा ही कुछ किसी न किसी रूप में और किसी न किसी परंपरा के साथ होता है। यह कई दिन चलने वाली गतिविधि है, जो चार महीनों की ठंडक के कारण उपजी निष्क्रियता को तोड़ने का काम करती है। पूरे देश के अलग-अलग हिस्सों में इससे जुड़ी रोचक परंपराएं हैं, जो केवल रंग बिखेरने से ही नहीं जुड़ी है। इसके साथ खान-पान, संगीत, दस्तकारी और लोक कलाओं की जबर्दस्त परंपराएं जुड़ी हुई हैं। होली के रंग ऊंच-नीच, अमीर-गरीब, जाति और धर्म के बंधनों को तोड़कर, वैर-भाव भूलकर सभी को समान धरातल पर लाते हैं। यह पर्व सामाजिक सद्भाव और दोस्ताना समाज की स्थापना करता है। वसंत पंचमी से ही फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। प्रकृति भी इस समय खिली हुई होती है। सरसों के पीले फूल धरती को रंग देते हैं। गेहूं की बालियां निकल आती हैं। आम पर बौर फूलने लगते हैं। किसान खुश होकर गीत गाते हैं। यह त्योहार सभी पृष्ठभूमि के लोगों को एक साथ लाता है, जाति, पंथ और उम्र की बाधाओं को पार करते हुए एकता और समुदाय की भावना को बढ़ावा देता है। क्षमा और मेल-मिलाप को प्रोत्साहित करता है। खुशी की बेलाग अभिव्यक्ति और कड़वाहटों को भुला देने का दिन। जब हम इसके इतिहास पर जाते हैं, तब पता लगता है कि यह देश के सबसे पुराने त्योहारों में से एक है। इतिहासकारों के अनुसार आर्यों में इस पर्व का प्रचलन था। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ से प्राप्त ईसा से 300 वर्ष पुराने एक अभिलेख में होली मनाए जाने का उल्लेख मिलता है। जैमिनी के पूर्व मीमांसा-सूत्र और कथा गृह्य-सूत्र, नारद पुराण और भविष्य पुराण में भी इसका उल्लेख मिलता है। सातवीं शताब्दी के राजा हर्ष ने अपनी रचना 'रत्नावली' में होलिकोत्सव का उल्लेख किया है। ग्यारहवीं सदी में फारस से आए विद्वान अल-बिरूनी ने भी अपनी पुस्तकों में होली मनाने का उल्लेख किया है। मध्ययुग में देश में जब मुस्लिम आबादी भी बढ़ी, तब भी यह केवल हिंदू आबादी तक सीमित पर्व नहीं रहा। उर्दू के सैकड़ों शायरों ने होली को रूपक बनाकर रचनाएं लिखी हैं। नजीर अकबराबादी की नज्म है, जब फागुन रंग झमकते हों तब देख बहारें होली कीध और दफ के शोर खड़कते हों तब देख बहारें होली कीध्परियों के रंग दमकते हों तब देख बहारें होली की खुम, शीशे, जाम, झलकते हों तब देख बहारें होली की। विभाजन की तमाम तल्खियों के बावजूद आज भी पाकिस्तान में होली खेली जाती है, कट्टरपंथियों और सरकार के भारी विरोध के बावजूद। मुगल पेंटिंगों में होली के दृश्य मिलेंगे। इसे 'ईद-ए-गुलाबी' या 'आब-ए-पाशी' कहा जाता था। इन पेंटिंगों में बादशाहों, बेगमों और दरबारी महिलाओं को रंग, पिचकारी और संगीत के साथ उत्सव मनाते हुए देखा जा सकता है। ये मिनिएचर पेंटिंग 18वीं सदी के दौरान, विशेषकर मुहम्मद शाह और बहादुर शाह जफर के समय में, बहुत प्रसिद्ध हुईं। अवध के नवाब, विशेषकर वाजिद अली शाह, गंगा-जमुनी तहजीब के तहत धूमधाम से होली मनाते थे। वे गुलाल, इत्र और चांदी की पिचकारियों से रंग खेलते थे और ठुमरी गाते थे। होली की जीवंत कल्पना प्राचीन मंदिरों की दीवारों पर भी मिलती है। हम्पी के एक मंदिर के 16वीं सदी के पैनल में एक शाही जोड़े के साथ रंगीन पानी में सराबोर होली का आनंददायक दृश्य दर्शाया गया है।

होली का उल्लेख प्राचीन मंदिरों, लोक कथाओं और पौराणिक ग्रंथों में भी है। इसके साथ खान-पान, संगीत, दस्तकारी और लोक कलाओं की रिवायतें जुड़ी हैं। होली के रंग अमीर-गरीब का भेद व वैर-भाव भुलाकर सभी को बराबरी पर लाते हैं। यह पर्व सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। होली रंगों का त्योहार है, पर केवल रंग उड़ाने या मौज मस्ती तक सीमित नहीं है। अवध के इलाके में परंपरा है कि होली के बाद सब एक-दूसरे के गले मिलते हैं। यह क्रम करीब एक पखवाड़े तक चलता है। हरेक परिवार अपने पड़ोस के हरेक घर में होली मिलने जाता है। पड़ोसी उनके घर आते हैं। यह क्रम करीब एक पखवाड़े तक चलता है। ऐसी परंपराएं होली को सामाजिक मेलजोल का सबसे बड़ा त्योहार बनाती हैं।

जीएसटी संग्रह ने फिर दिखाया भारत की आर्थिक ताकत को

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच एक बार फिर कर संग्रह के ताजा आंकड़ों ने सकारात्मक संकेत दिए हैं। फरवरी 2026 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में 8.1 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज होना यह बताता है कि घरेलू मांग, आयात गतिविधियों और कर ढांचे की स्थिरता मिलकर अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार दे रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह बढ़त उस समय सामने आई है जब सरकार ने हाल ही में जीएसटी दरों में कटौती और टैक्स ढांचे को सरल बनाने जैसे बड़े सुधार लागू किए हैं। फरवरी 2026 में जीएसटी संग्रह 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जोकि पिछले वर्ष इसी महीने 1.69 लाख करोड़ रुपये था। यह वृद्धि इस बात का संकेत है कि देश की आर्थिक गतिविधियों में निरंतर विस्तार हो रहा है। विशेष रूप से आयात और घरेलू खपत दोनों में तेजी ने कर संग्रह को मजबूती दी है।यह आंकड़ा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक स्तर पर आर्थिक चुनौतियां और आपूर्ति शृंखला में अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे माहौल में भारत का राजस्व संग्रह स्थिर वृद्धि दिखा रहा है, जोकि आर्थिक मजबूती का स्पष्ट संकेत है। जीएसटी संग्रह में वृद्धि का एक बड़ा कारण घरेलू मांग में सुधार रहा है। फरवरी में घरेलू सकल राजस्व 5.3 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.36 लाख करोड़ रुपये रहा।यह संकेत देता है कि उपभोक्ता खर्च में धीरे-धीरे तेजी आ रही है। त्योहारों के बाद भी खपत का स्तर मजबूत बना रहना इस बात की पुष्टि करता है कि भारत की आंतरिक मांग अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थायी इंजन बन चुकी है। खासतौर पर खुदरा बाजार, सेवा क्षेत्र और विनिर्माण गतिविधियों में सुधार का असर कर संग्रह पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। फरवरी के आंकड़ों में एक और उल्लेखनीय पहलू आयात से मिलने वाले कर राजस्व में तेज वृद्धि है। आयात से प्राप्त सकल राजस्व 17.2 प्रतिशत बढ़कर 47,837 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह वृद्धि दो महत्वपूर्ण संकेत देती है; पहला, भारत में औद्योगिक उत्पादन और उपभोग के लिए कच्चे माल और उत्पादों की मांग बढ़ रही है; दूसरा, वैश्विक व्यापार में भारत की भागीदारी सक्रिय बनी हुई है। सितंबर 2025 में सरकार ने जीएसटी ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए करीब 375 वस्तुओं पर कर दरें घटा दी थीं। इसके साथ ही चार टैक्स स्लैब को घटाकर दो प्रमुख स्लैब 05 प्रतिशत और 18 प्रतिशत कर दिया गया।सुधार लागू होने के शुरुआती महीनों में संग्रह में हल्की गिरावट देखी गई थी। नवंबर 2025 में जीएसटी संग्रह घटकर 1.70 लाख करोड़ रुपये रह गया था। लेकिन इसके बाद अर्थव्यवस्था ने तेजी से संतुलन स्थापित किया और दिसंबर में संग्रह 1.74 लाख करोड़ रुपये तथा जनवरी में 1.93 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। फरवरी के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि कर दरों में कटौती के बावजूद राजस्व स्थिर बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत से फरवरी तक कुल जीएसटी संग्रह 20.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 18.71 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 8.3 प्रतिशत अधिक है।उच्च आधार के बावजूद इतनी वृद्धि यह दर्शाती है कि कर संग्रह में संरचनात्मक मजबूती आ रही है।यह प्रवृत्ति यह भी बताती है कि डिजिटल कर प्रणाली, ई-इनवॉइसिंग और बेहतर अनुपालन जैसे कदमों का देश भर में सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। फरवरी के जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 37,473 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 45,900 करोड़ रुपये रहा। वहीं इंटीग्रेटेड जीएसटी (आईजीएसटी) 1,00,236 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। यह वितरण इस बात को दर्शाता है कि केंद्र और राज्यों के बीच कर साझेदारी संतुलित तरीके से आगे बढ़ रही है। फरवरी में सरकार ने 22,595 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.2 प्रतिशत अधिक है। रिफंड प्रणाली का तेज और पारदर्शी होना निर्यातकों और उद्योगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इससे उनकी नकदी प्रवाह की समस्या कम होती है और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलती है। रिफंड को घटाने के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 1.61 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.9 प्रतिशत अधिक है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह आंकड़े भारत की खपत आधारित अर्थव्यवस्था की ताकत को दर्शाते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में कमोडिटी मार्केट में कार्यरत आर्थिक विशेषज्ञ रवि रंजन सिंह के अनुसार, दरों में कटौती के बावजूद संग्रह में वृद्धि यह दिखाती है कि उपभोग में आई तेजी ने राजस्व को संतुलित कर दिया है। उनका कहना है कि जीएसटी अब एक स्थिर और अनुमानित वृद्धि के चरण में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है। चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल संग्रह 20.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जोकि 8.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और यह बताता है कि उच्च आधार के बावजूद राजस्व में संरचनात्मक स्थिरता बनी हुई है। वास्तव में यह भारत के कर ढांचे के परिपक्व होने और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का संकेत है।

फरवरी 2026 में जीएसटी संग्रह 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जोकि पिछले वर्ष इसी महीने 1.69 लाख करोड़ रुपये था। यह वृद्धि इस बात का संकेत है कि देश की आर्थिक गतिविधियों में निरंतर विस्तार हो रहा है। विशेष रूप से आयात और घरेलू खपत दोनों में तेजी ने कर संग्रह को मजबूती दी है।यह आंकड़ा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक स्तर पर आर्थिक चुनौतियां और आपूर्ति शृंखला में अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे माहौल में भारत का राजस्व संग्रह स्थिर वृद्धि दिखा रहा है, जोकि आर्थिक मजबूती का स्पष्ट संकेत है। जीएसटी संग्रह में वृद्धि का एक बड़ा कारण घरेलू मांग में सुधार रहा है। फरवरी में घरेलू सकल राजस्व 5.3 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.36 लाख करोड़ रुपये रहा।यह संकेत देता है कि उपभोक्ता खर्च में धीरे-धीरे तेजी आ रही है। त्योहारों के बाद भी खपत का स्तर मजबूत बना रहना इस बात की पुष्टि करता है कि भारत की आंतरिक मांग अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थायी इंजन बन चुकी है। खासतौर पर खुदरा बाजार, सेवा क्षेत्र और विनिर्माण गतिविधियों में सुधार का असर कर संग्रह पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। फरवरी के आंकड़ों में एक और उल्लेखनीय पहलू आयात से मिलने वाले कर राजस्व में तेज वृद्धि है। आयात से प्राप्त सकल राजस्व 17.2 प्रतिशत बढ़कर 47,837 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह वृद्धि दो महत्वपूर्ण संकेत देती है; पहला, भारत में औद्योगिक उत्पादन और उपभोग के लिए कच्चे माल और उत्पादों की मांग बढ़ रही है; दूसरा, वैश्विक व्यापार में भारत की भागीदारी सक्रिय बनी हुई है।

होलिका दहन पर वामपंथी कलुष

कैलाश चन्द्र

भारत की सांस्कृतिक स्मृति पर जितने हमले बाहरी आक्रांताओं ने नहीं किए, उससे कहीं अधिक गहरे और अधिक हमले आज के वैचारिक उपनिवेशवादियों ने किए हैं। यह हमला तलवारों का नहीं, शब्दों का है। यह आक्रमण सीमाओं का नहीं, स्मृति का है। वस्तुतः आज जो लोग होली, होलिका दहन और प्रह्लाद की कथा को एक दलित नारी को जलाए जाने की घटना बताकर प्रस्तुत करते हैं, वे न परंपरा जानते हैं और न कथा समझते हैं। वे सिर्फ भारत की सांस्कृतिक संचेतना को उसकी अपनी कहानी से काट देना चाहते हैं।

होलिका की कथा जितनी सरल है, उतनी ही गहन भी। कश्यप ऋषि और दिति की पुत्री तथा दिति की संतानों को स्वभाव वैचित्र्य के कारण दैत्य कहा गया है। सम्पूर्ण कथा श्रीमद्भागवत पुराण में बहुत विस्तार से कही गई है। भारतवर्ष में होने वाली अधिकांश भागवत कथाओं में भागवताचार्य अपनी कथा का प्रारम्भ यहीं से करते हैं। इस आधार पर होलिका दैत्यकुल की राजकुमारी व प्रिचिति की पत्नी और स्वरभानु की माता थी। वह एक संपूर्ण दैत्यवंशी, राक्षसी चरित्र है। उसका भाई हिरण्यकश्यप न केवल राजा था बल्कि अत्याचारी, अहंकारी और असुर प्रवृत्ति वाला शासक भी था। उसके सामने किसी शोषित समुदाय की कथा गढ़ना या उसे दलित नारी उत्पीड़न में बदल देना केवल अज्ञान नहीं एक सुनियोजित बौद्धिक छल है, जो भारतीय मिथकीय चेतना को वर्गीय, जातीय और जेंडरवादी चश्मे से दूषित करना चाहता है। यहां सत्य सरल है। होलिका किसी अबला स्त्री की कथा नहीं है। वह वरदान से सशक्त, छल से प्रेरित और अधर्म की सहायक थी। ब्रह्मा ने उसे अग्नि प्रतिरोध का वरदान दिया था, किन्तु वह वरदान धर्म विरोधी कर्मों के लिए नहीं था। जब वह प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठती है तो उसका जलना कर्मफल है। यह अन्याय के अंत, अधर्म की पराजय और सत्य की विजय का प्रतीक है। यही पुराणों का स्वर है और यही भारतीय संस्कृति की जीवंतता का मूलाधार भी है। पर आज इस कथा को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करने वाले कल्चरल मार्क्सिज्म के प्रशिक्षित कार्यकर्ता इसे ङ्घब्राह्मणों द्वारा स्त्री दहनङ्घ का उदाहरण बताते हैं। ये उनकी चाल पुरानी है। हर परंपरा को उत्पीडन का प्रमाण बनाओ। हर कथा को वर्ग संघर्ष के ढांचे में फिट करो। हर मूल्य को अपराधबोध में बदलो। वे राक्षसी को पीड़िता बना देते हैं, दैत्यकुल को जाति समूह कह देते हैं और धर्म-अधर्म की अनंत कथा को सत्ता विरोध के रंग में विकृत कर देते हैं। यही मानसिकता श्रीराम को साम्राज्यवादी, श्रीकृष्ण को चालबाज, माता दुर्गा को पीड़ित स्त्री और श्रीगणेश को उपहास का पात्र बना देती है। होलिका दहन का अर्थ किसी व्यक्ति, कुल या जाति का दमन नहीं है। यह जीवन की नकारात्मकता के दहन का संदेश है। यह नव वसंत, नवहर्ष, नई शुरुआत और सत्य के धारण एवं संरक्षण का पर्व है। इसमें प्रह्लाद की विजय, भक्ति की शक्ति और अधर्म के अंत का संदेश निहित है। इसे महिला विरोध, समाज विरोध या सत्ता विरोध की कहानी में बदलना हमारी परंपरा का नहीं बल्कि हमारी स्मृति का अपमान है। भारतीय समाज को बांटने के लिए आज एक विचित्र वैचारिक नाटक रचा जा रहा है। यह कहा जा रहा है कि 'हिरण्यकश्यप' शूद्र था, शूद्र तप नहीं कर सकते और गुरुकुल नहीं जा सकते। यह इतिहास नहीं बल्कि वैचारिक क्षुद्रता का प्रमाण है। जिन लोगों ने न शास्त्र पढ़े और न पुराण समझे, वे आज सोशल मीडिया की अधूरी जानकारी के आधार पर एक संपूर्ण सभ्यता को अपराधी सिद्ध करने में लगे हैं। वास्तविकता यह है कि होलिका और हिरण्यकश्यप भारतीय चेतना में सदियों से अहंकार और अधर्म के प्रतीक रहे हैं। गुरुकुलों की शिक्षा में शस्त्र और शास्त्र का अध्ययन करने के बाद अहंकार के कारण वे अधर्म के मार्ग पर चले और भक्त प्रह्लाद सत्य के प्रतीक बने। जो लोग इस सरल सत्य को भी ह्लसामाजिक न्यायङ्क के चश्मे से विकृत करते हैं, वे न्याय के पक्षधर नहीं बल्कि भारतीय समाज को भीतर से तोड़ने वाले मानसिक उपनिवेशवाद के वाहक हैं। आज आवश्यकता किसी प्रतिक्रिया या प्रतिशोध की नहीं है। आवश्यकता है तथ्यों की पुनर्स्थापना की। हमें अपनी चेतना में सांस्कृतिक स्मृति को पुनः प्रखर करना होगा। परंपरा को आधुनिक राजनीतिक सिद्धांतों के ढांचे में कैद करने के स्थान पर उसके कालातीत संदेश को समझना होगा। यह संघर्ष एक कथा का न होकर भारतीय तत्वज्ञान, वांग्मय, दर्शन और वैचारिक संप्रभुता का है। इसलिए यह समझना सभी के लिए समान रूप से आवश्यक है कि 'होलिका' का जलना किसी स्त्री का दहन नहीं है। यह अत्याचार, असहिष्णुता, अधर्म, अनीति और असत्य के दहन का प्रतीक है। उसका अंत किसी समाज पर अत्याचार का नहीं बल्कि अधर्म की पराजय का उत्सव है। आज भारत की सभ्यता इस वैचारिक आक्रमण को पहचान चुकी है। वह जानती है कि हमारी परंपराएं हिंसा की नहीं बल्कि समरसता की उपज हैं। होलिका दहन उसी समरसता का उत्सव है, अहंकार के अंत और सत्य के आरंभ का पर्व। अतः हमेशा ही अपने समय में वर्तमान काल की हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस वैचारिक धुंध में भी स्पष्ट देख सकें और यह कह सकें कि भारतीय संस्कृति को समझने के लिए भारतीयता चाहिए, न कि वह वैचारिक चश्मा जो हर कथा को संघर्ष, हर पात्र को पीड़ित और हर पर्व को अपराध में बदल देता है। अंत में यही कि होलिका दहन पर कलुष केवल परंपरा का नहीं बल्कि विवेक का अपमान है। इसे समझना और इस भ्रम को तोड़ना आज केवल सांस्कृतिक कर्तव्य नहीं यह हम सभी की राष्ट्रीय आवश्यकता है।

होलिका की कथा जितनी सरल है, उतनी ही गहन भी। कश्यप ऋषि और दिति की पुत्री तथा दिति की संतानों को स्वभाव वैचित्र्य के कारण दैत्य कहा गया है। सम्पूर्ण कथा श्रीमद्भागवत पुराण में बहुत विस्तार से कही गई है। भारतवर्ष में होने वाली अधिकांश भागवत कथाओं में भागवताचार्य अपनी कथा का प्रारम्भ यहीं से करते हैं। इस आधार पर होलिका दैत्यकुल की राजकुमारी व प्रिचिति की पत्नी और स्वरभानु की माता थी। वह एक संपूर्ण दैत्यवंशी, राक्षसी चरित्र है। उसका भाई हिरण्यकश्यप न केवल राजा था बल्कि अत्याचारी, अहंकारी और असुर प्रवृत्ति वाला शासक भी था।

होलीः आध्यात्मिक चेतना एवं वैज्ञानिक दृष्टि का सांस्कृतिक उत्सव

ललित गर्ग

होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की सजीव अभिव्यक्ति है। यह वह पर्व है जो मनुष्य को उसके भीतर झाँकने का अवसर देता है और याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता में निहित है। समय के प्रवाह में होली के स्वरूप में अनेक परिवर्तन आए हैं। कहीं यह उत्सव उल्लास का माध्यम बना, तो कहीं उच्छृंखलता का पर्याय भी दिखाई देने लगा। छेड़खानी, मादक पदार्थों का सेवन, मारपीट और मर्यादा का उल्लंघन जैसी प्रवृत्तियां इस पावन पर्व की आत्मा के विपरीत हैं। वस्तुतः सही अर्थों में होली का अर्थ शालीनता का अतिक्रमण नहीं, बल्कि आंतरिक विकारों का दहन और संबंधों का पुनर्जीवन है। आवश्यकता इस बात की है कि हम होली के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आयामों को समझें और समसामयिक संदर्भों में उसे एक नई गरिमा और जीवंतता प्रदान करें। होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी। रंगों का आध्यात्मिक अर्थ भी अत्यंत गहरा है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक रंग का अपना भाव है। लाल ऊर्जा और प्रेम का प्रतीक है, पीला ज्ञान और पवित्रता का, हरा जीवन और समृद्धि का, नीला अनंत आकाश और व्यापक चेतना का। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो मानो यह घोषणा करते हैं कि हम भेदभाव की सीमाएँ मिटाकर एकात्मता का अनुभव करेंगे। रंग हमें सिखाते हैं कि विविधता ही जीवन का सौंदर्य है। अलग-अलग रंग मिलकर ही इंद्रधनुष बनाते हैं; उसी प्रकार विभिन्न समुदायों, विचारों और संस्कृतियों का समन्वय ही समाज को समृद्ध बनाता है। यही होली का सांस्कृतिक संदेश है-विविधता में एकता। वैज्ञानिक दृष्टि से भी होली का विशेष महत्व है। यह पर्व फाल्गुन पूर्णिमा को आता है, जब शीत ऋतु का समापन और ग्रीष्म ऋतु का आरंभ होता है। यह संक्रमण काल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के लिए संवेदनशील समय होता है। परंपरागत रूप से होलिका-दहन की अग्नि के समीप बैठना और उसकी ऊष्मा ग्रहण करना स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी माना गया। प्राचीन काल में टेसू के फूलों, चंदन, हल्दी और प्राकृतिक गुलाल से बने रंगों का प्रयोग किया जाता था, जिनमें औषधीय गुण होते थे। वे त्वचा को लाभ पहुँचाते थे और संक्रमण से भी रक्षा करते थे। आज रासायनिक रंगों के दुष्प्रभावों ने इस परंपरा को चुनौती दी है। अतः आवश्यक है कि हम प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल रंगों की ओर लौटें। विकसित भारत की संकल्पना में स्वच्छता, हरित जीवनशैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का जो आग्रह है, वह होली के पारंपरिक स्वरूप से पूर्णतः सामंजस्य रखता है। सांस्कृतिक दृष्टि से होली भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह वह अवसर है जब सामाजिक भेदभाव की दीवारें कमजोर पड़ती हैं और अपनत्व का रंग गहरा होता है। गाँवों में फाग-गीतों की गूंज, चौपालों पर हास-परिहास, नगरों में सांस्कृतिक आयोजन-ये सब सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। होली का एक स्वरूप वह भी है, जब लोग पुराने मनमुटाव भुलाकर गले मिलते हैं और संबंधों को नया आयाम देते हैं। यह पर्व संवाद और समरसता का सेतु बन सकता है, बशर्ते हम इसकी मूल भावना को समझें। आज

के वैश्वीकरण के युग में नई पीढ़ी आधुनिकता को प्रगति का पर्याय मानती है। आधुनिकता स्वागतयोग्य है, किंतु यदि वह मूल्य-विस्मृति का कारण बन जाए, तो समाज का संतुलन बिगड़ सकता है। बुरा न मानो होली है का अर्थ किसी की गरिमा को ठेस पहुँचाना नहीं, बल्कि हँसी-खुशी के साथ आत्मीयता बाँटना है। महिलाओं के सम्मान, सार्वजनिक मर्यादा और सामाजिक उत्तरदायित्व का ध्यान रखते हुए होली मनाना ही सच्ची भारतीयता है। यदि उत्सव के नाम पर उच्छृंखलता बढ़े, तो वह हमारे सांस्कृतिक आत्मसम्मान के विपरीत है। नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि आनंद और अनुशासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक आत्मविश्वास की नई यात्रा पर अग्रसर है। नया भारत और विकसित भारत की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से भी जुड़ी है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय परंपराओं, योग, आयुर्वेद और त्योहारों की बढ़ती प्रतिष्ठा इस परिवर्तन का संकेत है। होली जैसे पर्व विश्वभर में भारतीय संस्कृति की पहचान बन रहे हैं। यदि इन्हें शालीनता, पर्यावरण-संवेदनशीलता और आध्यात्मिक चेतना के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो यह भारत की सॉफ्ट पावर को और सुदृढ़ कर सकते हैं। यह समय है जब हम अपने त्योहारों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उन्हें सांस्कृतिक कूटनीति और सामाजिक जागरण का माध्यम बनाएं। नई विश्व-व्यवस्था में जहाँ तकनीकी प्रगति के साथ मानसिक तनाव और सामाजिक दूरी भी बढ़ रही है, वहाँ होली जैसे उत्सव मानवीय संबंधों को पुनर्स्थापित करने का अवसर देते हैं। डिजिटल युग में लोग आभासी संवाद में अधिक और प्रत्यक्ष संवाद में कम समय दे रहे हैं। होली हमें प्रत्यक्ष मिलन, स्नेह-स्पर्श और सामूहिक उल्लास की अनुभूति कराती है। यह सामाजिक एकाकीपन को दूर करने का भी माध्यम बन सकती है। यदि हम इस अवसर पर समाज के वंचित वर्गों, वृद्धजनों और जरूरतमंदों के साथ रंग साझा करें, तो यह उत्सव करुणा और सेवा की भावना को भी सशक्त करेगा। आवश्यकता है कि होली को नशामुक्त, पर्यावरण-अनुकूल और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाने का सामूहिक संकल्प लिया जाए। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से होली के मूल संदेश को प्रचारित किया जा सकता है। फाग-गीत, लोकनृत्य, कवि-सम्मेलन और सामूहिक प्रार्थना जैसे आयोजनों से इस पर्व को नई दिशा दी जा सकती है। जब होली केवल रंगों तक सीमित न रहकर विचारों का उत्सव बनेगी, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा। निश्चित तौर पर होली हमें यह सिखाती है कि बाहरी रंग क्षणिक हैं, किंतु आंतरिक प्रेम और सद्भाव शाश्वत हैं। यदि हम अपने भीतर के अहंकार को जला दें और हृदय में करुणा का रंग भर दें, तो हर दिन होली बन सकता है। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब आर्थिक उन्नति के साथ सांस्कृतिक चेतना भी समानांतर चले। आइए, इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मर्यादा का उल्लंघन नहीं, मर्यादा का उत्सव मनाएँगे; विभाजन नहीं, विश्वास का रंग फैलाएँगे; और उच्छृंखलता नहीं, उत्साह और सद्भाव का संदेश देंगे। जब होली का रंग हमारे चरित्र और आचरण में उतर जाएगा, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक और प्रेरणादायी बन सकेगा।

डोमरी 'शहरी वन' में हर महीने होगा 35 हजार लीटर 'जीवामृत' का छिड़काव

- रोपे गए पौधों को नैसर्गिक खाद देने के लिए मिट्टी की उर्वरता व सिंचाई का पुख्ता इंतजाम
- बंजर मिट्टी में 'अमृत' घोल रही मियावाकी तकनीक, तालाब और ड्रिप का दोहरा सुरक्षा कवच

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी के गंगा नदी के किनारे स्थित डोमरी (सूजाबाद) में विकसित हो रहे 'शहरी वन' में अब केवल पौधों की संख्या ही नहीं, बल्कि उनकी वैज्ञानिक देखभाल और मिट्टी के उपचार के लिए भी वैज्ञानिक जुटे हुए है। 'शहरी वन' में लगाए गए 2.51 लाख पौधों को जीवित रखने और उन्हें जंगल की शक्ल देने के लिए जमीन की उर्वरता पर विशेष काम किया जा रहा है। आमतौर पर खराब मानी जाने वाली मिट्टी को उपजाऊ बनाने के लिए यहां 'मिट्टी रिपेयरिंग' का बड़ा अभियान चलाया गया है, जिसमें चार फीट गहरी खुदाई कर 100 टन कोकोपीट और 250 टन गाय के गोबर की खाद का वैज्ञानिक मिश्रण तैयार किया गया है।

नगर निगम के जनसम्पर्क कार्यालय के अनुसार रोपे गए पौधों को नैसर्गिक खाद देने के लिए हर महीने 35,000 लीटर 'जीवामृत' का छिड़काव किया जा रहा है। मियावाकी विशेषज्ञ विशाल श्रीवास्तव के अनुसार, यह प्रक्रिया पहले छह महीने तक निरंतर चलेगी और अगले दो वर्षों तक अंतराल पर जारी रहेगी। जीवामृत मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ाता है, जिससे पौधों की जड़ें तेजी से गहराई पकड़ती हैं। वर्तमान समय में वसंत के कारण पौधों से पत्ते झड़ना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, जिसे अक्सर लोग पौधों का सूखना समझ लेते हैं, जबकि अंदरूनी तौर पर जड़ें मजबूत हो रही हैं। मार्च की गर्मी में पौधों की वृद्धि दर तेज करने के लिए यह पोषण और नमी का तालमेल सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है । सिंचाई के मोर्चे पर इस प्रोजेक्ट को पूरी तरह 'वॉटर प्रूफ' बनाया गया है। गर्मियों में पानी की किल्लत से निपटने के लिए परिसर में ही चार विशेष तालाब खोदे जाएंगे, जो भूजल स्तर को बनाए रखने के साथ-साथ आपातकालीन सिंचाई में मदद करेंगे। जल आपूर्ति के लिए दस बोरवेल स्थापित किए गए हैं और पानी की एक-एक बूंद का हिसाब रखने के लिए ड्रिप (टपक सिंचाई) और स्प्रिंकलर सिस्टम दोनों को एक साथ अपनाया गया है। इससे न केवल पानी की बचत हो रही है, बल्कि पौधों की पत्तियों पर जमा होने वाली धूल भी साफ होती रहती है, जिससे उनकी प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया बाधित नहीं होती। सुरक्षा के लिहाज से यहां पांच गार्ड्स की तैनाती की गई है और साथ ही पर्यावरण प्रेमियों के लिए एक विशेष योग स्थल भी बनाने की योजना है। राज नर्सरी के माध्यम से मध्य प्रदेश के कई शहरों में दस लाख से अधिक पौधे लगा चुकी यह विशेषज्ञ टीम अब वाराणसी के इस हिस्से को 'ऑक्सीजन हब' बनाने में जुटी है। स्थानीय जलवायु के अनुकूल जामुन, आंवला, नीम और अर्जुन जैसी 35 प्रजातियों का यह सघन वन आने वाले समय में काशी के पर्यावरण के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

सामौर बाबा महोत्सवः भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा, पद्मश्री कवि सुनील जोगी एवं कन्हैया मित्तल होंगे प्रमुख आकर्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फिरोजाबाद। जनपद के सिरसागंज स्थित ग्राम करहरा की पावन धरती पर 05 से 11 मार्च तक सात दिवसीय सामौर बाबा महोत्सव का भव्य आयोजन होगा। महोत्सव में भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा, पद्मश्री कवि सुनील जोगी, कन्हैया मित्तल होंगे प्रमुख आकर्षण होंगे।

प्रदेश की समृद्ध विरासत, लोक परंपराओं और कलात्मक उत्कृष्टता को समर्पित इस महोत्सव का आयोजन जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, जिला प्रशासन और सामौर बाबा धाम ट्रस्ट के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'सामौर बाबा महोत्सव के दौरान विशाल देवी जागरण, कवि सम्मेलन, शिव नृत्य नाटिका, शिव डमरू नृत्य, संगीतमय प्रस्तुतियां एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जो क्षेत्र की समृद्ध परंपराओं को विशिष्ट मंच प्रदान करेंगी। फिरोजाबाद जनपद के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक वैभव से परिपूर्ण सामौर बाबा धाम की पृष्ठभूमि में यह आयोजन आगंतुकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 07 बजे से आयोजित होगा।'

सामौर बाबा महोत्सव के सात दिवसीय आयोजन में जहां एक ओर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा बिखरेगी, वहीं कवि सम्मेलन के माध्यम से साहित्य और शब्द-साधना की सरिता भी प्रवाहित होगी। महोत्सव में 07 मार्च को विशाल देवी जागरण के अंतर्गत लोकप्रिय भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा की प्रस्तुति सांगीतिक समां बांधेगी। वहीं, 08 मार्च को विशाल कवि सम्मेलन में पद्मश्री सुनील जोगी, हेमंत पांडेय, राम भदावर, गौरव चौहान, मुकेश मणिकांचन, पद्मिनी शर्मा और योगिता चौहान जैसे ख्यातिप्राप्त कवि अपनी ओजस्वी और हास्य-व्यंग्यपूर्ण रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। महोत्सव में 09 मार्च को एक के बाद एक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। वाराणसी के दिव्या श्रीवास्तव समूह द्वारा शिव नृत्य नाटिका का मंचन होगा, जबकि प्रयागराज का रुद्राक्ष बैंड अपनी संगीतमय प्रस्तुति से समां बांधेगा। वहीं, उत्तराखंड के नाद समूह द्वारा भव्य शिव डमरू नृत्य प्रस्तुत कर महोत्सव को विशेष आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की जाएगी। 10 मार्च को भजन संध्या में कन्हैया मित्तल भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर करेंगे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'फिरोजाबाद की धरती पर आयोजित सामौर बाबा महोत्सव हमारी समृद्ध विरासत को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से स्थानीय कलाकारों, साहित्यकारों और युवा प्रतिभाओं को सशक्त मंच मिले तथा क्षेत्रीय पर्यटन को नई पहचान प्राप्त हो।

प्रशासन की बात को नकारते हुए आबादी की भूमि पर किया जा रहा अवैध कब्जा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। धौरहरा कस्बे के अटल नगर वार्ड में आबादी की भूमि पर लगातार बढ़ रहे कब्जे से मोहल्ले वासियों में आक्रोश का माहौल बना हुआ है एक तरफ जहां योगी सरकार भू माफियों के ऊपर नकेल कसने के दावे करती है तो वही दूसरी तरफ कस्बे में नगर पंचायत के नाक की नीचे कब्ज़ा जोरो शोरों से चल रहा है सूचना मिलते ही प्रशासन द्वारा कार्य बंद कराने आदेश भी दिया गया जिसपर मौके पर पहुंच कर लेखपाल संजय श्रीवास्तव की टीम द्वारा काम रुकवा दिया गया, मगर कब्जादारों के इतने हौसले बुलंद की टीम के हटते ही पुनः कार्य चालू हो गया, जानकारी के अनुसार भूमि जिसकी गाटा संख्या 3109है जो कि सरकारी अभिलेखों में भी आबादी की भूमि से दर्ज है, जिसपर सरकार का स्वामित्व स्थापित है ऐसा दर्शाया गया, ऐसे में बिना सरकारी आदेश के खाली पड़ी आबादी की भूमि पर कब्ज़ा होना बेहद चिंतनीय विषय है जिसपर कई सवाल खड़े होते हैं वहीं आसपास के रहने वाले लोगों ने कहा है कि, खाली पड़ी भूमि पर, रास्ते, तथा कोई सार्वजनिक निर्माण कराया जाए, जिससे सभी को लाभ मिलेगा इससे कस्बे के विकास में भी वृद्धि होगी।

केन नदी पर बने तटबंध की करायी जाये मरम्मत

बांदा। सोमवार को कंग्रेस जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित द्वारा बांदा चित्रकूट लोकसभा सांसद श्रीमती कृष्णा देवी पटेल से जनपद की विभिन्न समस्याओं को लेकर बबेरू स्थित उनके आवास पर मुलाकात कर मांग पत्र सोपा गया कंग्रेस जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने अपने मांग पत्र में सांसद श्रीमती कृष्णा देवी पटेल से मांग की कि केन नदी में बना हुए तटबंध जो काफी जर्जर हो चुका है उसकी मरम्मत समय अनुसार कराई जाए क्योंकि जर्जर हालत में होने के कारण किसी भी समय टूट सकता है जिससे बांदा शहर की बरसात के मौसम में बाढ़ आने से दर्जनों मोहल्ले और हजारों लोग उससे प्रभावित होते हैं साथ ही प्राइवेट स्कूल मनमानी फीस वसूली कर रहे हैं बच्चों को स्कूल से ही कॉपी किताबें आदि मनमानी रेट पर मुहैया कराई जाती है अवकाश के दिनों में भी शुल्क लिया जाता है प्रत्येक वर्ष बच्चों का पाठ्यक्रम बदल दिया जाता है जिससे सभी अभिभावकों पर अतिरिक्त बोझ का सामना करना पड़ता है।

जनपद स्तरीय दो दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

- बैडमिंटन, रेस, कबड्डी, बॉलीबॉल प्रतियोगिताये हुई सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। मेरा युवा भारत, बांदा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के जिला युवा अधिकारी विशाल सिंह के निर्देशानुसार कार्यक्रम का आयोजन मेरा युवा भारत के ऑफिस असिस्टेंट रवि अवस्थी के नेतृत्व में दो दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता कार्यक्रम संपन्न किया गया जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी ग्राउंड में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में बैडमिंटन, रेस ,कबड्डी, बॉलीबॉल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ श्री राजेंद्र सिंह जी ने किया। खेल प्रतियोगिताओं में विजेता- बैडमिंटन (गर्ल्स) में लक्ष्मी-प्रथम,खुशी शुक्ला-द्वितीय,रेस 100 मीटर (बालक) में विकास जाटव- प्रथम , द्वितीय- इरशाद खान, तृतीय- हरिओम, 100 मीव (गर्ल्स) में रेशमा- प्रथम , द्वितीय - फूलकुमारी, तृतीय सरोज, दौड़ 400 मीटर में प्रथम-जगनायक यादव, द्वितीय - राजाबाबू , तृतीय-अनुज ।कबड्डी बालिका (भागवत प्रसाद एकेडमी) सीनियर विजेता टीम - अंकिता, (कैप्टन)अंजलि, ज्योति, पिंकी, गुड़िया, सविता, खुशी । वॉलीबॉल बालक सीनियर(गोयरा) विजेता टीम में इरफान, रेहान, युसूफ, गुलफाम, सद्दाम, रजनीश, आसिफ, नुसरत, आफताब, दानिश रहे। इस कार्यक्रम में खेल प्रशिक्षक- हमीद, वेद प्रकाश, राहुल सिंह, संतोष कुमार ने सभी खेलो में निर्णायक की भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि कॉलेज के चेयरमेन श्री अंकित कुशवाहा जी एवं विशिष्ट अतिथि में डॉव प्रत्यूष मिश्रा (एनसीसी प्रभारी), सुनील सक्सेना (समाजसेवी), आशीष सिंह चंदेल, सत्येंद्र सिंह, श्याम बाबू शुक्ला, उपनिरीक्षक दान बहादुर पाल, सूबेदार मेजर वीरेंद्र सिंह उपस्थित रहे। तथा मेरा युवा भारत,बांदा के द्वारा सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में सभी ब्लॉकों से आए हुए युवा मंडलों को स्पोर्ट्स किट का वितरण भी कराया गया। कार्यक्रम में कमेंट्री रामकेश के द्वारा की गई। नरैनी, महुआ, बड़ोखर, तिंदवारी ब्लॉक के युवा मंडल दिव्यांश निगम, रामकेश, धनीराम, सत्यम सिंह को सम्मानित किया। कार्यक्रम समापन में मेरा युवा भारत,बांदा के ऑफिस असिस्टेंट रवि अवस्थी, हर्ष नामदेव, ने सभी का आभार व्यक्त किया।

महिला सशक्तिकरण- नवयुग की नारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- घर की दहलीज से सात समंदर पार तक बांदा की शजर सखियों का जलवा
- विश्व प्रसिद्ध शजर पत्थर उद्योग में महिला उद्यमियों ने बनाई पहचान

बांदा। जब खुद के हौसलों में उड़ान और इरादों में मजबूती हो तो सफलता की चमक पत्थर को भी हीरा बना देती है। सीएम योगी आदित्यनाथ के महिला सशक्तिकरण, स्वावलंबन और आर्थिक मजबूती के विजन को धरातल पर उतारते हुए बांदा की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की नई इबादत लिख रही हैं। जिसकी सबसे बड़ी विशाल बनी है बांदा शहर की रहने वाली सुमन सोनी, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत से यह साबित कर दिया है कि बुंदेलखण्ड की नारी अब बेचारी नहीं बल्कि उद्यमी है। बांदा के विश्व प्रसिद्ध शजर पत्थर उद्योग में सुमन सोनी एक ऐसी मिसाल बनकर उभरी हैं। जिन्होंने न केवल खुद को आर्थिक रूप से सशक्त किया। बल्कि सूक्ष्म सखी के रूप में अन्य महिलाओं के जीवन में भी रोशनी भरने का काम किया है।

सुमन सोनी की सफलता की यात्रा कौशल विकास उन्नयन योजना के तहत मिले प्रशिक्षण के बाद शुरू हुई। जिसके बाद इन्होंने अपनी उद्यमिता को विस्तार देने के लिए सरकार से 10 लाख रुपए का ऋण लिया। इस पूंजी के निवेश ने उनके छोटे से कम को एक व्यवस्थित सूक्ष्म उद्योग में बदल दिया और उनके घर में लगे सूक्ष्म उद्योग से शुरू हुआ यह काम आज ग्लोबल सफर कर रहा है।

मदन भारद्वाज स्मृति सम्मान से सम्मानित हुए उपन्यासकार

- शहर के डीआर पब्लिक स्कूल में हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। सोमवार को शहर के तिंदवारी रोड में स्थित डी. आर, पब्लिक इण्टर कालेज, बाँदा के प्रांगण में मदन भारद्वाज, स्मृति कथा सम्मान 2025 का आयोजन किया गया। इस वर्ष इस सम्मान को समकालीन कथा जगत के ख्यातिलब्ध कथाकार हरि भटनागर को उनके उपन्यास दो गज जमीन के लिये दिया गया है। इसके पहले यह कथा सम्मान वर्ष 2023 के लिये महेश कटारे एवं वर्ष 2024 के लिए उर्मिला शिरीष को प्रदान किया गया था। मदन भारद्वाज स्मृति कथा सम्मान ऐसे कथाकार को प्रदान किया जाता है जिसने कथा के क्षेत्र में नितान्त मौलिक और जमीन से जुड़ी सच्चाईयों को गहरे से छुआ हो और जिसने अपनी रचनाओं में दृढ सृजनात्मक क्षमता और खोजी दृष्टि का परिचय दिया हो।

हरि भटनागर जी का कथा साहित्य गहरे जन सरोकारों एवं उत्कृष्ट रचना दृष्टि का परिचायक है। बदलती दुनिया में समाज के सबसे कमजोर, मूक एवं साधारण तबकों के संघर्ष व पीड़ा को उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से व्यक्त किया है।

यह कथा सम्मान स्व0 श्री मदन भारद्वाज जी की स्मृति में ष्केदार स्मृति न्यास के सौजन्य से प्रत्येक वर्ष दिया जाता है। मदन भारद्वाज नगर के गणमान्य समाजसेवी व्यक्तित्व थे। उनका जीवन शिक्षा और साहित्य के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने बच्चों की शिक्षा के लिए अपने निजी प्रयासों से शिक्षण संस्थान की स्थापना की और अपना पूरा जीवन बाँदा नगर के बच्चों की शिक्षा के लिये समर्पित किया। उनके द्वारा स्थापित डी. आर. पब्लिक इण्टर कालेज आज नगर के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में से एक है। सम्मान सत्र की अध्यक्षता श्री वैभव सिंह ने की, मुख्य वक्ता अमृता बेरा रहीं, मुख्य अतिथि बलराम रहे तथा विशिष्ट अतिथि विवेक मिश्र जी रहे। डी. आर. पब्लिक के चेयरमैन तथा इस सम्मान कार्यक्रम के अधिष्ठाता घन्द्रमौलि भारद्वाज ने हरि भटनागर जी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। कहानी पाठ सत्र की अध्यक्षता बलराम ने की जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अमृता बेरा जी उपस्थित रहीं। कहानी पाठ हरि भटनागर, विवेक मिश्र एवं वैभव सिंह जी के द्वारा सम्पन्न किया गया। इस सम्मान समारोह में डी. आर. पब्लिक इण्टर कॉलेज की प्रबंधक महोदया श्री श्रुति भारद्वाज, चेयरमैन श्री चन्द्रमौलि भारद्वाज, प्रधानाचार्य सुनील कुमार त्रिपाठी सहित समस्त विद्यालय परिवार मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त केदार स्मृति न्यास के सचिव नरेन्द्र पुण्डरीक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा. शबाना रफीक, उपाध्यक्ष अंकित कुशवाहा, श्रृद्धा निगम, छाया सिंह, रामचन्द्र सरस, मनीष श्रीवास्तव, अमित अग्रवाल, राममिलन गुप्ता, दिलीप सविता, कमल यादव, सुनील सक्सेना, रिजवान अली, अभिषेक शुक्ला, सचिन चतुर्वेदी सहित नगर के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गड़रिया रपटा के पास बाइक अनियंत्रित

जसपुरा/बांदा। जसपुरा थाना क्षेत्र में सोमवार को गड़रिया रपटा के पास एक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बांदा रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, खैरी गांव निवासी शिवाजी 37 वर्षीय युवक, रामकिशोर का पुत्र, बाइक से खैरी से गड़रिया की ओर आ रहा था। जैसे ही वह गड़रिया रपटा के पास पहुंचा, अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर पड़ा। हादसे में उसके सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं।घटना की सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसपुरा में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल, बांदा रेफर कर दिया।थाना प्रभारी ऋषि देव सिंह ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

रपटा की ढाल पर पलटा टेंपो

जसपुरा/बांदा। जसपुरा थाना क्षेत्र के गौरीकला गांव के श्रद्धालु सिद्ध बाबा स्थान से मुंडन संस्कार कर लौट रहे थे, तभी सोमवार को अमारा-गौरीकला रपटा की ढाल पर उनका टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में महिलाओं व बच्चों समेत 15 लोग घायल हो गए। पांच की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। गौरीकला निवासी सुशीला (40) अपने एक वर्षीय बेटे होरीलाल का मुंडन कराने हमीरपुर जिले के कैथी गांव स्थित सिद्ध बाबा स्थान गई थीं। उनके साथ गुड्डो पत्नी कल्लू पाल (40), सुमन पत्नी भुजबल (40), सुशीला पत्नी चुन्नू पाल, सुधा पत्नी अमर पाल (45), गीता (15), माया पत्नी रामरती (50), सुमन पत्नी भुजबल (50), फूलमती पत्नी गंगा (60), अंजली सहित कुल 15 लोग टेंपो से गए थे।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मुंडन कार्यक्रम के बाद सभी लोग वापस गौरीकला लौट रहे थे। जैसे ही टेंपो अमारा-गौरीकला रपटा की ढाल पर पहुंचा, चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और टेंपो पलट गया।

फरार डकैती के वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

बांदा। एसपी पलाश बंसल के निर्देश पर जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वाछिंत/वारंटी अभियुक्तो की गिरफ्तारी के क्रम में थाना गिरवां पुलिस द्वारा 30 वर्षों से फरार डकैती के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है । गौरतलब हो कि माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के समक्ष लम्बित दाण्डिक अपील संख्या 1282/1988 अन्तर्गत धारा 395 भादवि के प्रकरण में अभियुक्त के विरुद्ध गैर जमानतीय वारण्ट जारी किया गया था व अभियुक्त 30 वर्षों से फरार चल रहा था ।

हमारे बड़े बुजुर्ग भले हमें दौलत नहीं देंते, लेकिन संस्कार तो अवश्य ही देंगे : भगवान भाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जीवन के 60 वर्ष गुजरने के बाद जीवन में सकारात्मक रूप में जीना और भविष्य के जीवन हेतु श्रेष्ठ कर्म कि पूंजी जमा करनी है। बीती हुई बातो कि नकारात्मकता को भुलाना है।उन्हों कहा कि मै आत्मा अजर अमर अविनाशी हु इस स्म्रुर्ती से मृत्यु का डर ख़त्म करना है द्यउक्त उदगार माउंट आबू राजस्थान से पधारे हुए बी के भगवान भाई ने कहे। वे वृध्दाआश्रम में बुजुर्गो के लिए सकारात्मक विचारों द्वारा स्वस्थ और सुखी जीवन विषय पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि स्वयम को अकेला महसूस नही करना बल्कि परमात्मा पिता मेरे साथ है यह याद रखना है। उन्होंने कहा परिवार के साथ मेरा मेरे पिछले जन्मो का हिसाब पूरा हुआ अब परिवार के साथ बहुत प्यार का सम्बन्ध निभाकर तनाव मुक्त रहाना है। भावी जीवन को बहुत अच्छा बनाने की कुछ करने की तीव्र इच्छा है वर्तमान में प्रभु चिंतन करना है।

भगवान भाई जी ने कहा सुखी रहने के लिए तीन बातो को याद रखने हेतु बताया 1 किसी को कुछ बोलो नहीं 2.किसी को तोको नहीं ३. किसीसे उम्मीद नहीं रखो द्यउन्होंने कहा कि अपने को कभी अपने को रिटायर्ड न समझना द्यअभी तक का जीवन तो हमारा व्यवस्था में ही गुजर गया ,असली आनंद लेने का समय तो अभी आ गया है द्य

उन्होंने कहा कि 60 वर्ष के बाद हमें अपनी श्रेष्ठ कर्म की पूंजी जमा करने हेतु जो टाइम मिला है उसका सफल करना है।जितना बड़ा वृक्ष होता है उसे अपने आंगन में ही रहने दीजिये ,वो फल नहीं दे रहा है लेकिन छाया तो दे रहा है।

हमारे बड़े वयोवृद्ध हमें दौलत नहीं देंगे लेकिन संस्कार तो अवश्य ही देंगे।संस्कारो से हमारा संसार अच्छा बनता है। स्थानीय ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र की राजयोग शिक्षिका बी के शालिनी बहन ने राजयोग की विधि बताते हुआ कहा कि स्वंम को आत्मा निश्चय कर चाँद, सूर्य, तारांगण से पार रहनेवाले परमशक्ति परमात्मा को याद करना, मन-बुद्धि द्वारा उसे देखना, उनके गुणों का गुणगान करना ही राजयोग हैं।

आटो ई-रिक्शा सत्यापन एवं जागरूकता के साथ रूट डायवर्सन का चला अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। शहर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक जनपद बांदा श्री पलाश बंसल के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक श्री शिवराज जी के मार्गदर्शन सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी, सुश्री मेविस टॉक, सीओ यातायात प्रतीज्ञा सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस के सहयोग से ऑटो एवं ई-रिक्शा सत्यापन और जागरूकता अभियान के साथ-साथ रूट डायवर्सन से संबंधित विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई, वहीं आमजन और वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूक भी किया गया।

अभियान के तहत उपस्थित अधिकारियों ने राइफल क्लब ग्राउंड बाबूलाल ट्रैफिक चौराहे पर जन जागरूकता कैंप लगा कर चेकिंग अभियान चलाकर ऑटो व ई-रिक्शा चालकों के साथ दस्तावेजों की जांच के साथ पंजीयन भी किया, इस दौरान वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र (आरसी), ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, फिटनेस प्रमाण पत्र और परमिट की जांच की गई। बिना वैध दस्तावेज पाए जाने वाले वाहनों को हिदायत दी।

सहायक पुलिसअधीक्षक/सीओ सुश्री मेविस टॉक ने बताया कि कई चालक निर्धारित रूट का पालन नहीं कर रहे थे और ओवरलोडिंग की शिकायतें भी सामने आई थीं। ऐसे मामलों में चालकों को नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी गई और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी निकटतम पुलिस चौकी,112, पर तुरंत दें जिससे टप्पे बाजी सहित सभी घटनाओं को तुरंत रोका जा सके।

उत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र – 4

विषय– निविदा प्रपत्र संख्या 2026–ए.एम.वी.–सी एंड डब्लू–ईनिविदा–02 का शुद्धि पत्र।

सन्दर्भ– निविदा सूचना संख्या 2026–ए.एम.वी.–सी एंड डब्लू–ईनिविदा–02 दिनांक 05.01.2026 खुलने की तिथि 18.03.2026

कार्य का नाम : [illegible]

उपरोक्त निविदा के सन्दर्भ में निविदा प्रपत्र में निम्नलिखित परिवर्तन किया गया है।

S. No.	Clause	Placed at Tender Document
1.	Clause VIII (Under Scope of work) – Allowed Time	Page 24 of 66
2.	Clause 2(i) (Under Special Eligibility Criteria – Technical Criteria)	Page 36 of 66
3.	Clause 9 (i) (ii), (iii), (iv) & (v) (Payments – Under Special Eligibility Criteria)	Page 37, 38 of 66
4.	Clause 5 & 6 (Under Technical Specification)	Page 30 of 66

अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर upload कर दिया गया है।

संख्या: 2026–ए.एम.वी.–सी एंड डब्लू–ईनिविदा–02 दिनांक 28.02.2026 785/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

होली से पहले अवैध शराब पर कड़ा प्रहार

- 21 मुकदमे दर्ज, 469 लीटर शराब व 2630 लीटर लहन नष्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। होली पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने और अवैध मदिरा निर्माण, बिक्री व तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से जनपद में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर यह अभियान 20 फरवरी से 06 मार्च तक संचालित है। अभियान डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल एवं एसपी ख्याति गर्ग के दिशा-निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी राजवीर सिंह के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। सोमवार को हुई कार्रवाई में जनपद भर में 21 अभियोग पंजीकृत किए गए। प्रवर्तन के दौरान 469 लीटर अवैध शराब बरामद की गई, जबकि लगभग 2630 लीटर लहन को मौके पर नष्ट कराया गया। संयुक्त टीमों की दबिशें के साथ क्षेत्र 1 सदर के आबकारी निरीक्षक अमित कुमार ने

नकहा पुलिस चौकी के साथ ग्राम लोनियांपुरवा, परसा, कादीपुर व ललूवापुरवा (थाना खीरी) में दबिश देकर कच्ची शराब, लहन व भट्ठियां नष्ट कीं।

क्षेत्र 2 मोहम्मदी के निरीक्षक एच.एन. पाण्डेय ने मोहम्मदी थाना पुलिस के साथ मगरैना, पालचक, टेगुन, खुर्रम नगर व बौद्धी खुर्द में छापेमारी कर कच्ची शराब व लहन बरामद कर नष्ट कराया।

क्षेत्र 3 निघासन के निरीक्षक राजेश कुमार ने थाना सिगाही क्षेत्र के मांझा फार्म, मसूरहा जंगल व चौगुर्जी में कार्रवाई कर कच्ची शराब बरामद की तथा एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

क्षेत्र 4 पलिया के निरीक्षक प्रभात तिवारी ने पलिया व मझगई थाना पुलिस के साथ बुद्धापुरवा, ढाकिन, बसंतापुर व नौगवां में दबिश देकर एक अभियुक्त को मौके से गिरफ्तार किया। क्षेत्र 5 गोला, क्षेत्र 6 मितौली तथा क्षेत्र 7 धौरहरा में भी आबकारी व पुलिस की संयुक्त टीमों ने कई गांवों में छापेमारी कर कच्ची शराब व उपकरण बरामद कर नष्ट किए तथा अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि होली पर्व के मद्देनजर अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने अवैध देशी शराब के साथ एक आरोपित को किया गिरफ्तार

देवरिया। बिहार में पूर्णता शराब प्रतिबंध के चलते उत्तर प्रदेश से होली पर्व पर शराब तस्करी के मामले में बढ़ गए हैं। इसी क्रम में थाना खामपार पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक आटो से भारी मात्रा में देशी शराब पकड़ी है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपित को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक संजीव समन ने सोमवार को बताया कि होली पर्व को देखते हुए यूपी और बिहार राज्यों की सीमावर्ती इलाकों में सख्ती बढ़ा दी गई है। इस दौरान अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ल्लआपरेशन प्रहारङ्क के तहत खामपार थाना पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने सूचना के आधार पर खैराट पुल के पास एक तीन पहिया ऑटो (रजि. नं. यूपी 52 एटी 2060) की तलाशी ली। तलाशी में वाहन से 12 पेटी अवैध देशी शराब (ब्रांड-बन्टी बबली), 108 लीटर बरामद की गई। एसपी ने बताया कि आटो के साथ जिले के थाना भाटपार अतंगर्त लक्ष्मणपुर निवासी अखिलेश गोड़ पुत्र रामसनेही गोड़ को गिरफ्तार किया गया है।

सफ़ेद–भगवा रंग में रंगा सिंगाही बाजार

डिजाइनर कुर्ते और स्लोगन टी-शर्ट की धूम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सिंगाही खीरी। होली के नजदीक आते ही कस्बे का बाजार रंगों के साथ फैशन के नए ट्रेंड में भी रंग गया है। इस बार होली पर डिजाइनर कुर्ते-पायजामे, स्लोगन टी-शर्ट और ट्रेंडी जींस की जबरदस्त मांग देखने को मिल रही है। बदलते दौर को देखते हुए दुकानदारों ने भी आकर्षक कलेक्शन सजा दिए हैं। मेन बाजार में जगह-जगह सफ़ेद और भगवा सूती कुर्ते-पायजामे, गमछे और होली स्पेशल परिधान ग्राहकों को लुभा रहे हैं। 100 रुपये से लेकर 500-600 रुपये तक की रेंज में उपलब्ध ये कपड़े युवाओं की पहली पसंद बने हुए हैं। दुकानदारों का कहना है कि गर्मी को ध्यान में रखते हुए सूती कपड़ों की मांग ज्यादा है, क्योंकि येआरामदायक होने के साथ रंगों में भी खूब खिलते हैं।

स्लोगन टी-शर्ट का क्रेज बुरा न मानो होली है', 'होली वाली सेल्फी' और 'हैप्पी होली' जैसे आकर्षक स्लोगन वाली टी-शर्ट युवाओं में खासा लोकप्रिय हैं। लड़के-लड़कियां दोनों इन टी-शर्ट को पसंद कर रहे हैं। साथ ही सेल्फी प्रॉप्स और रंगीन चश्मों की बिक्री भी बढ़ गई है। ऑनलाइन ऑफर के चलते कुछ युवा सस्ती दरों पर खरीदारी भी कर रहे हैं।

सफ़ेदी पर खिलते रंग कस्बे की निष्ठा मिश्रा का कहना है कि होली के चटख रंग सफ़ेद कपड़ों पर ही असली चमक दिखाते हैं। सूती कपड़े आरामदायक होते हैं और त्वचा के लिए भी बेहतर रहते हैं।

अनुष्का जैन बताती हैं कि सफ़ेद कुर्ती में होली खेलने का आनंद अलग ही होता है, इसलिए इस बार उन्होंने खास तौर पर सफ़ेद परिधान चुना है वार्ड नंबर पांच के यथार्थ गुप्ता ने बताया कि इस बार भगवा कुर्ते की मांग अधिक है, इसलिए उन्होंने भगवा कुर्ता-पायजामा खरीदा है।

वहीं अभय सिंह ने 'हैप्पी होली' लिखी सफ़ेद टी-शर्ट और काला चश्मा लिया है। उनका कहना है कि सफ़ेद टी-शर्ट पहनकर रंग खेलने का मजा ही अलग है।

कुल मिलाकर सिंगाही का बाजार इन दिनों रंग, उमंग और फैशन के संगम का गवाह बना हुआ है होली के स्वागत में पूरा कस्बा उत्साह और उल्लास से सराबोर नजर आ रहा है।

खीरी के गरीब बच्चों को नहीं मिल रही प्राइवेट स्कूलों में निशुल्क शिक्षा

- शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में 25% सीटें आरक्षित करना अनिवार्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। कस्बा खीरी में शिक्षा का अधिकार कानून के प्रावधानों के पालन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। खीरी विकास समिति के अध्यक्ष आमिर रज़ा पम्मी ने जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) और जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को ज्ञापन सौंपकर निजी विद्यालयों में गरीब एवं कमजोर वर्ग के बच्चों को 25 प्रतिशत आरक्षण के तहत निशुल्क प्रवेश सुनिश्चित कराने की मांग की है।

उन्होंने बताया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (टद्दक इदए) के अंतर्गत निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को कक्षा-1 अथवा प्री-प्राइमरी स्तर पर 25% सीटें आर्थिक रूप से कमजोर (क्डट्ट) एवं वंचित समूह (क्क) के बच्चों के लिए आरक्षित करना अनिवार्य है। इन बच्चों को कक्षा 8 तक निशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है।

समिति का आरोप है कि लगभग 70 हजार की आबादी वाले कस्बा खीरी में, जहां बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार निवास करते हैं, वहां संचालित कई निजी हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में आरटीई के तहत प्रवेश की व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू नहीं की जा रही है। इससे क्षेत्र के जरूरतमंद बच्चे इस कानून के लाभ से वंचित हो रहे हैं। ज्ञापन में प्रशासन से मांग की गई है कि कस्बा खीरी में संचालित सभी निजी विद्यालयों की गहन जांच कर छात्र संख्या के आधार पर 25 प्रतिशत सीटों पर पात्र बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाते हुए अभिभावकों को जागरूक करने और समयबद्ध कार्रवाई करने की भी अपील की गई है समिति ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जनहित में व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

शांतिभंग की आशंका में चार गिरफ्तार, न्यायालय भेजे गए

मैलानी खीरी। जनपद में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मैलानी पुलिस ने शांतिभंग की आशंका में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है। पुलिस अधीक्षक ख्याति गर्ग के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी गोला के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक थाना मैलानी के नेतृत्व में यह कार्रवाई सोमवार को की गई। पुलिस के अनुसार, शांति भंग होने की आशंका के दृष्टिगत आरोपियों को अंतर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में शिवम पुत्र विश्वनाथ निवासी ग्राम सौखिया, कौशल पुत्र कालीचरन निवासी हजरतपुर, रुकुमकेश पुत्र रुपराम निवासी हजरतपुर, रामाकान्त पुत्र जगदम्बा प्रसाद निवासी हजरतपुर, थाना मैलानी गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक चरन सिंह, उपनिरीक्षक राणाप्रताप सिंह, कांस्टेबल राहुल कुमार व कांस्टेबल रविकांत यादव शामिल रहे।

होली पर आबकारी टीम पर किसान से वसूली और मारपीट का आरोप

- 12 हजार की मांग के बाद 5 हजार लेकर छोड़ा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। होली के मौके पर भैंसटा गांव निवासी किसान मदनलाल के साथ कथित रूप से आबकारी विभाग की टीम द्वारा अभद्रता, मारपीट और अवैध वसूली का मामला सामने आया है। घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है, जबकि किसान द्वारा लगाए गए आरोपों का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ित किसान मदनलाल के अनुसार, रविवार शाम वह स्थानीय चीनी मिल में गन्ना तौल कर ट्रैक्टर-ट्रॉली से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान मिल के ट्रक यार्ड के पास एक कार में सवार कुछ लोगों ने उनका ट्रैक्टर रोक लिया। किसान का आरोप है कि कार में सवार तीन लोग वर्दी में थे और अन्य सादे कपड़ों में। मदनलाल का कहना है कि उन्हें जबरन कार में बैठाकर चीनी मिल परिसर स्थित आबकारी कार्यालय ले जाया गया। वहां उनसे 12 हजार रुपये की मांग की गई और रुपये न देने पर जेल भेजने की धमकी दी गई। किसान का आरोप है कि भय और दबाव में उन्होंने 5 हजार रुपये दे दिए, जिसके बाद ही उन्हें छोड़ा गया। किसान ने यह भी आरोप लगाया कि उनके साथ और एक अन्य युवक के साथ मारपीट की गई। घटना के संबंध में किसान द्वारा लगाए गए आरोपों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे मामला और तूल पकड़ता जा रहा है। वहीं, इस संबंध में आबकारी निरीक्षक अवनीश रावत ने वसूली और मारपीट के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि मदनलाल को केवल पूछताछ के लिए कार्यालय लाया गया था और रुपये लेने की बात पूरी तरह निराधार है। हालांकि जब उनसे यह पूछा गया कि किसान को किस आधार पर पकड़ा गया और यदि कोई अपराध नहीं था तो बिना विधिक कार्रवाई के उन्हें कैसे छोड़ दिया गया, तो इस संबंध में स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका। घटना को लेकर क्षेत्रीय लोगों में रोष व्याप्त है अब देखना यह है कि उच्च अधिकारी इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं।

प्रतापगढ़ में अधेड़ की गोली मारकर की हत्या

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में मांधाता कोतवाली क्षेत्र स्थित रामनगर गांव में सोमवार को एक अधेड़ व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बताया कि मृतक की पहचान गांव निवासी मो. सलीम (55) के रूप में हुई है। वह मुंबई में रहकर वाहन चलाने का काम करता था और करीब डेढ़ माह पहले ही अपने घर लौटा था। सोमवार को सलीम की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। परिजनों ने हत्या का आरोप पड़ोसी पर लगाया है। उनका कहना है कि पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया है। मांधाता कोतवाली के एसओ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर घटना की जांच की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की।

होली पर अलर्ट मोड में स्वास्थ्य विभाग

दिनभर निरीक्षण पर रहे सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। होली पर्व को सकुशल एवं सुरक्षित संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर रहा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता रविवार दोपहर से देर रात तक लगातार भ्रमण पर रहे और जिले के विभिन्न प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण कर इमरजेंसी सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया।

सीएमओ ने नजदीकी ब्लॉक बिजुआ से लेकर भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र तक संचालित स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) अनिल यादव भी मौजूद रहे। निरीक्षण की शुरुआत पीएचसी पड़रिया तुला एवं सुंदरवल से की गई। इसके बाद सायं लगभग 5:30 बजे वह सीएचसी पलिया पहुंचे, जहां इमरजेंसी वार्ड, ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों व पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता तथा आवश्यक उपकरणों की स्थिति की गहन समीक्षा की। रात्रि लगभग 8 बजे चंदनचौकी तथा 9 बजे गौरीफंटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया। देर रात तक चले निरीक्षण में सभी केंद्रों पर इमरजेंसी सेवाएं सुचारु रूप से संचालित पाई गईं। चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी ड्यूटी पर मौजूद मिले और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा था। सीएमओ ने होली के दौरान संभावित सड़क दुर्घटनाओं एवं अन्य आपात स्थितियों को ध्यान में रखते हुए एंबुलेंस सेवाओं, ट्रॉमा किट, प्राथमिक उपचार सामग्री तथा जीवनरक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधीक्षकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में दवाओं की कमी नहीं होनी चाहिए और 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं पूरी मुस्तैदी के साथ संचालित रहें इस अवसर पर सीएमओ ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाएं, लेकिन सावधानी अवश्य बरतें।

रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करें, ताकि त्वचा संबंधी रोगों व एलर्जी से बचा जा सके। साथ ही नशे की अवस्था में वाहन न चलाएं, यह स्वयं और अन्य लोगों के जीवन के लिए घातक हो सकता है स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता से जनपदवासियों को त्यौहार के दौरान बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा मिला है।

पुलिस की सक्रियता से महिला को मिला खोया बैग जेवर व मोबाइल लौटाए

मीरजापुर। होली के मौके पर सोमवार को घर जा रही एक महिला का जेवर व मोबाइल से भरा बैग खो गया, जिसे राजगढ़ पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए खोजकर महिला को वापस लौटा दिया। सामान मिलने पर महिला ने राहत की सांस ली और पुलिस की सराहना की। राजगढ़ थाना क्षेत्र के सेमरी सरसो गांव की निवासी गुंजा देवी सिंगरौली में रहती हैं। होली के त्योहार पर वह अपने घर लौट रही थीं। सिंगरौली से बस द्वारा नदिहार बाजार पहुंचने के बाद वह ऑटो से अपने गांव सरसो जा रही थीं, तभी रास्ते में उनका बैग कहीं खो गया। बैग खोने से महिला घबरा गई और रोते-बिलखते हुए उसे तलाशते हुए वापस नदिहार बाजार पहुंची। वहां ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल रणजीत सिंह को अपनी समस्या बताई। महिला ने बताया कि बैग में सोने-चांदी के जेवर और मोबाइल फोन रखा है। शिकायत मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और तलाश शुरू कर दी।

दिल्ली क्षेत्र से उत्तर रेलवे द्वारा 22 स्पेशल रेलगाड़ियों का संचालन

- दिल्ली क्षेत्र से कल 3.36 लाख यात्रियों ने यात्रा की
- पिछले पाँच दिनों में दिल्ली एरिया से लगभग 14 लाख यात्रियों ने यात्रा की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए, खासकर होली का त्योहार मनाने के लिए देश के पूर्वी हिस्सों में जाने वालों की सुविधा के लिए दिल्ली एरिया के स्टेशनों पर बेहतर इंतज़ाम किए हैं। दिल्ली एरिया के बड़े स्टेशनों से 22 स्पेशल ट्रेनें चलाई गई । 01.03.2026 को, 22 स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं और दिल्ली एरिया से लगभग 3.36 लाख यात्री अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए , यानी पिछले साल की इसी तारीख (होली से 3 दिन पहले 11.03.2025) की तुलना में 18.07% ज़्यादा। पिछले पाँच दिनों में, दिल्ली एरिया से लगभग 14 लाख यात्रियों ने यात्रा की है। दिल्ली एरिया के बड़े स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ की लगातार मॉनिटरिंग के आधार पर, कल, 03.03.2026 को 22 स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना है। उत्तर रेलवे के अधिकारी यात्रियों के लिए आसान और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली एरिया के बड़े स्टेशनों पर भीड़ की स्थिति पर लगातार नज़र रख रहे हैं।

गन्ने के खेत किनारे मिला 9 वर्षीय नर बाघ का शव, क्षेत्र में मची हलचल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला वन रेंज क्षेत्र के रानीगंज गांव में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गन्ने के खेत के पास एक वयस्क नर बाघ मृत अवस्था में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना बांकेगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत ग्रांट नंबर 11 के अंतर्गत रानीगंज गांव की है। सुबह करीब 10 बजे खेत की ओर जा रहे एक युवक ने प्रकाश नामक किसान के गन्ने के खेत के किनारे झाड़ियों में बाघ को पड़ा देखा। पास जाकर देखने पर वह मृत मिला। युवक द्वारा शोर मचाने पर ग्रामीण एकत्र हो गए और तत्काल वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना पर गोला वन रेंज के रेंजर संजीव तिवारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में मृत बाघ लगभग 9 वर्ष का वयस्क नर पाया गया। उसके शरीर पर किसी प्रकार के बाहरी चोट या संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं। अंग सुरक्षित होने के कारण शिकार की आशंका भी कम जताई जा रही है।

रेंजर संजीव तिवारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला प्राकृतिक मृत्यु का प्रतीत हो रहा है। हालांकि वास्तविक कारण स्पष्ट करने के लिए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों–बीमारी, आंतरिक समस्या या अन्य कारण–की पुष्टि हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले कई महीनों से क्षेत्र में बाघ की सक्रियता के चलते ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था। इस घटना के बाद वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। खेतों में अकेले न जाने तथा किसी भी वन्यजीव की गतिविधि दिखने पर तुरंत विभाग को सूचित करने को कहा गया है वन विभाग की टीम क्षेत्र में निगरानी बनाए हुए है, ताकि स्थानीय लोगों और वन्यजीवों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

भाजपा के नवनियुक्त नगर अध्यक्ष विनोद स्वर्णकार का पालिका सभागार में भव्य स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भारतीय जनता पार्टी छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ के नवनियुक्त नगर अध्यक्ष विनोद स्वर्णकार का भव्य स्वागत नगर पालिका सभागार में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

स्वागत समारोह का शुभारंभ पार्टी के पुरोधा पं0 दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर एवं फूलों की वर्षा कर विनोद स्वर्णकार का अभिनंदन किया। सभागार ल्लभारत माता की जयङ्क और ल्लवंदे मातरम्ङ्क के नारों से गूंज उठा। नगर पालिका अध्यक्ष एवं जिला उपाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अपने संबोधन में कहा कि विनोद स्वर्णकार पार्टी के वरिष्ठ और कर्मठ कार्यकर्ता हैं। उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी संगठन के लिए निष्ठा के साथ कार्य किया है। उनके अनुभव, सरल स्वभाव और संगठनात्मक क्षमता से पार्टी को निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी।

एलडीबी उत्तर प्रदेश के पूर्व चेयरमैन सुर्जन लाल वर्मा ने कहा कि पार्टी में निःस्वार्थ भाव से कार्य करते रहना चाहिए, मेहनत का फल अवश्य मिलता है। विनोद स्वर्णकार की नियुक्ति इसका उदाहरण है। जिला उपाध्यक्ष विनोद वर्मा ने उन्हें विनम्र और समर्पित कार्यकर्ता बताते हुए विश्वास जताया कि वे संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। पूर्व नगर महामंत्री एवं व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष अरुण अवस्थी ने कहा कि विनोद स्वर्णकार व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष भी हैं और एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में उनकी पहचान है। निर्वतमान नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए नए अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन नगर मंत्री धीरज बाजपेयी ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता अशोक सक्सेना, नगर महामंत्री राजेश राठौर, सुधीर अवस्थी, नगर उपाध्यक्ष गुरमेल सिंह, रेखा मिश्रा, नगर मंत्री धीरज बाजपेयी, विनोद कुमार वर्मा, नगर मीडिया प्रभारी विजय मिश्रा, शक्ति केन्द्र संयोजक राहुल बाल्मीकि, तेज प्रकाश शुक्ला, शिवम गुप्ता, नवीन भसीन, कैलाश गुप्ता, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष अंकुर वर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष गीता विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष सुमित्रा मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा सीमा सक्सेना, पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष विजय मिश्रा, किसान मोर्चा अध्यक्ष विकास मिश्रा, पूर्व शक्ति केन्द्र संयोजक राजेश जोशी, अविनाश चन्द्र मिश्रा, बूथ अध्यक्ष बाल गोविंद वर्मा, प्रभात गुप्ता, काके सहगल, सोनू त्रिवेदी, मनोज बाथम, अमित मिश्रा, अंकित मिश्रा, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जिला मंत्री आदित्य गुप्ता, जिला संगठन मंत्री राजीव सिंह, मुनीश कुमार वर्मा, प्रवीण गुप्ता, अशोक तिवारी, अतीक अंसारी, किशन सोनी, शैलू राजपूत, संजीव शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में नवनियुक्त नगर अध्यक्ष विनोद स्वर्णकार ने सभी वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने तथा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प दोहराया।

मैंने फोन और सोशल मीडिया बंद कर दिया और अंतरात्मा की आवाज सुनीः सैमसन

एजेंसी

कोलकाता। भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपने फोन और सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर दिए ताकि खराब फॉर्म के दौर में भी उनका आत्मविश्वास न डगमगाए और आखिर में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप के करो या मरो मैच में मैच विजेता पारी खेलकर लय हासिल कर ली। सैमसन ने रविवार को यहां खेले गए सुपर आठ के मैच में 50 गेंदों में 97 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई सुपर आठ के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से भारत की करारी हार के बाद इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को सलामी बल्लेबाजी के रूप में अंतिम एकादश में शामिल किया गया था। सैमसन ने रविवार को यहां भारत की पांच विकेट से जीत के बाद स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''मैंने अपने शॉट चयन पर लगातार काम किया। मैं बहुत अधिक बदलाव नहीं करना चाहता था क्योंकि मुझे पता था कि मैंने उसी तरह से खेलते हुए पहले अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मैंने खुद पर भरोसा बनाए रखा, अपना फोन बंद कर दिया, सोशल मीडिया से दूर रहा और अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी। मुझे खुशी है कि मैंने एक ऐसे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया जो बहुत खास था। सैमसन ने असल में अकेले दम पर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस बीच उन्हें कप्तान सूर्यकुमार यादव (18) और तिलक वर्मा (27) का कुछ साथ मिला। उन्होंने कहा, ''यह थोड़ा मुश्किल लक्ष्य था। हमारी बल्लेबाजी की मजबूती को देखते हुए मुझे लग रहा था कि ईडन गार्डन्स में ओस पड़ने पर 196 रन के लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो जाएगा, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से यह चुनौतीपूर्ण हो गया। सैमसन ने कहा, ''यहीं पर मेरे अनुभव ने अहम भूमिका निभाई। मुझे अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन जब विकेट गिरते रहे तो मुझे लगा कि मुझे मैच का सकारात्मक अंत करना होगा। उन्होंने कहा, ''आप हमेशा ऐसा प्रदर्शन करना चाहते हैं लेकिन हमेशा ऐसा नहीं होता है। इसलिए मुझे खुशी है कि इस मैच में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया। जब आप दबाव वाली परिस्थितियों में लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो आप अलग-अलग विकल्प अपनाते हैं और जोखिम भरे विकल्पों पर विचार करने के बजाय अधिक बाउंड्री लगाते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए सैमसन ने अपनी तकनीक में किए गए बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, ''यह मानवीय प्रकृति है कि हम अक्सर नकारात्मक सोच से शुरुआत करते हैं, जैसे, 'क्या मैं ऐसा कर सकता हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर सकता हूं।' जब भी मेरे मन में ऐसे विचार आते हैं तो मैं उन्हें सकारात्मक विचार से बदलने की कोशिश करता हूं। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैं अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था लेकिन चीजें मेरे अनुकूल नहीं रही।

न्यूजीलैंड सीरीज के बाद संजू को दबाव दूर करने के लिए ब्रेक की जरूरत थीः गंभीर

एजेंसी

कोलकाता। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि संजू सैमसन निर्विवाद रूप से प्रतिभा के धनी हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला में उनके खराब प्रदर्शन ने टीम प्रबंधन को टी20 विश्व कप से पहले उन पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए उन्हें आराम देना पड़ा। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जैसे मैच में दबाव में नाबाद 97 रन की पारी खेली जिससे भारत ने यह मैच जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल के जवाब में कहा, ''निश्चित रूप से न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसलिए उन्हें विश्राम देना जरूरी हो गया था क्योंकि आप उन्हें उस दबाव वाली स्थिति से बाहर निकालना चाहते थे। एशिया कप में बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेजे जाने से सैमसन की लय बिगड़ गई थी। इसके बाद सैमसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ पूरी श्रृंखला खेलने का मौका मिला, लेकिन पांच पारियों में उनका स्कोर 10, 6, 0, 24, 6 रहा जिसके बाद आलोचकों ने उनके करियर के अंत की भविष्यवाणी कर दी थी। टी20 विश्व कप में भारत के पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ सैमसन को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली, लेकिन अभिषेक शर्मा की खराब सेहत के कारण उन्हें नामीबिया के खिलाफ मैच में टीम में जगह दी गई, हालांकि बाद में उन्हें फिर से टीम से बाहर कर दिया गया। रिंकू सिंह के साथ हुई एक दुखद घटना (उनके पिता का निधन) और शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के बहुत अधिक बल्लेबाजों की मौजूदगी को देखते हुए टीम प्रबंधन ने सैमसन को सलामी बल्लेबाज के रूप में टीम में रखने का फैसला किया। कोच से पूछा गया कि उन्होंने सैमसन के साथ किस तरह की बातचीत की ताकि वह सही मानसिक स्थिति में रहे, इस पर गंभीर ने कहा, ''मैं सभी से बात करता हूं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस टीम में शामिल सभी खिलाड़ी विश्वस्तरीय हैं और इसीलिए वे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हम जानते थे कि संजू कितना प्रतिभाशाली है। बहुत कम बल्लेबाजों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीन शतक लगाए हैं। इसलिए हम जानते थे कि वह कितने प्रतिभाशाली हैं।

गुकेश की गलती से अब्दुसत्तोरोव की एक और जीत

एजेंसी

प्राग (चेक गणराज्य)। विश्व चैंपियन डी गुकेश अच्छी स्थिति में होने के बावजूद प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव में नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से हार गए। एक महीने पहले भी टाटा स्टील मास्टर्स के दौरान अच्छी स्थिति में होने के बावजूद गुकेश अब्दुसत्तोरोव से हार गए थे। लेकिन यहां पांचवें दौर की बाजी में एक समय ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से जीत हासिल कर लेंगे। काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने अच्छा खेल दिखाया लेकिन समय की कमी के कारण आखिर में उन्हें अंक गंवाना पड़ा। इस बीच नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जॉर्डन वैन फोरस्ट ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, जो पांच मैचों में अपनी चौथी जीत के बाद लाइव रेटिंग में विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पांचवें दौर में अमेरिका के हैंस मोके नीमन को हराया। भारत के मौजूदा चैंपियन अरविंद चिदंबरम को पांच मैचों में अपनी तीसरी हार का सामना करना पड़ा। उन्हें स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो ने हराया। स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुबोव को जबकि ईरान के परहम मगसूदलू ने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराया। चैलेंजर्स वर्ग में विश्व महिला कप विजेता दिव्या देशमुख ने साथी भारतीय खिलाड़ी सूर्य शेखर गांगुली को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की।

अफगानिस्तान के भारत दौरे का कार्यक्रम घोषित, जून में न्यू चंडीगढ़ करेगा पहले टेस्ट की मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को अफगानिस्तान के भारत दौरे के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। न्यू चंडीगढ़ का मैदान जून में एक ऐतिहासिक पल का गवाह बनने जा रहा है। यह मैदान 6 से 10 जून के बीच भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। इसके साथ ही न्यू चंडीगढ़ भारत का 31वां टेस्ट वेन्यू बन जाएगा। यह मुकाबला अफगानिस्तान के भारत दौरे का हिस्सा होगा। अब तक इस मैदान पर आईपीएल मैच, एक पुरुष टी-20 अंतरराष्ट्रीय और कुछ महिला वनडे मुकाबले खेले जा चुके हैं, लेकिन यह पहला अवसर होगा जब यहां पांच दिवसीय टेस्ट मैच आयोजित किया जाएगा। मैच की शुरुआत प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे (भारतीय समयानुसार) होगी। अफगानिस्तान का यह दौरा केवल टेस्ट मैच तक सीमित नहीं रहेगा। टेस्ट के बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी। पहला वनडे 14 जून 2026 को धर्मशाला में, दूसरा 17 जून को लखनऊ में और तीसरा 20 जून को चेन्नई में आयोजित होगा। तीनों वनडे मुकाबले दोपहर 1:30 बजे से शुरू होंगे। अफगानिस्तान ने आखिरी बार भारत में 2024 में द्विपक्षीय सीरीज खेली थी, जो तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला थी। भारत में दोनों टीमों के बीच अब तक केवल एक टेस्ट मैच खेला गया है, जो 2018 में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित हुआ था।

अफगानिस्तान का भारत दौरा कार्यक्रमः

एकमात्र टेस्टः 6-10 जून, न्यू चंडीगढ़ ऽ सुबह 9:30 बजे

पहला वनडेः 14 जून, धर्मशाला ऽ दोपहर 1:30 बजे

दूसरा वनडेः 17 जून, लखनऊ ऽ दोपहर 1:30 बजे

तीसरा वनडेः 20 जून, चेन्नई ऽ दोपहर 1:30 बजे

यह दौरा दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर टेस्ट क्रिकेट के लिहाज से, जहां अफगानिस्तान को भारत की मजबूत टीम के खिलाफ खुद को साबित करने का मौका मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

सिंधु का ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप से बाहर रहना तय, लक्ष्य पर होगी नजर

बर्मिंघम। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का मंगलवार से यहां शुरू होने वाली अखिल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर रहना तय है क्योंकि अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण वह दुबई में फंस गई हैं। खिलाड़ियों के यात्रा संबंधी बाधाओं ने सुपर इस 1000 प्रतियोगिता की तैयारियों को बुरी तरह प्रभावित किया है। सिंधु शनिवार से दुबई में फंसी हुई हैं क्योंकि ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सिंधु और उनके कोच इंडोनेशिया के इरवानस्याह आदि प्रतामा दुबई में फंसे हुए हैं। वह उनके ठहरने के स्थान के करीब हुए विस्फोट में बाल-बाल बच गए थे। खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ने के कारण उन्हें बाद में एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। भारतीय स्टार खिलाड़ी को पहले दौर में थाईलैंड की सुपानिडा कटेथोंग का सामना करना था, लेकिन दुबई के हवाई क्षेत्र और हवाई अड्डे के बंद रहने के कारण उन्हें टूर्नामेंट से हटना पड़ेगा। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) भी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है तथा देर से पहुंचने वाले खिलाड़ियों की मदद करने के लिए तैयार है। सिंधु की टूर्नामेंट में भागीदारी अभी अनिश्चित है, लेकिन भारत के कुछ अन्य खिलाड़ी सिंगापुर और अफ्रीका के वैकल्पिक मार्गों से बर्मिंघम पहुंच गए हैं। हालांकि यह देखना बाकी है कि लंबी और थका देने वाली यात्रा उनकी तैयारियों को कितना प्रभावित करेगी। भारत के शीर्ष पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरते युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी यात्रा संबंधी किसी भी तरह की समस्या के बिना यहां पहुंच गए हैं। लक्ष्य का पहले दौर में मुकाबला चीन के विश्व के नंबर एक खिलाड़ी शी यु ची से होगा, जबकि आयुष इंडोनेशिया के अलवी फरहान के खिलाफ खेलेंगे। लक्ष्य के लिए पहले दौर की चुनौती बड़ी मुश्किल होगी क्योंकि वह चीन के खिलाड़ी से पिछले पांच मुकाबलों में से चार में हार चुके हैं। आयुष को भी फरहान से पांच मुकाबलों में से तीन में हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स का मुकाबला भी शामिल है। महिला एकल वर्ग में मालविका बंसोड़ को तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चीन की चेन युफ़ेई के खिलाफ कड़ी शुरुआती चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

सभी चाहते थे कि संजू अच्छा प्रदर्शन करेः गावस्कर

नयी दिल्ली। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का कहना है कि संजू सैमसन इतने अच्छे इंसान हैं कि हर कोई चाहता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करें और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप में खेली गई उनकी निर्णायक पारी ने उनके प्रशंसकों पर से भी दबाव कम कर दिया होगा। सैमसन ने रविवार रात कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में नाबाद 97 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा, ''97 रन की इस नाबाद पारी ने न सिर्फ संजू सैमसन पर से बड़ा बोझ हटा दिया है बल्कि उन लोगों पर से भी बोझ उतार दिया है जो जानते हैं कि वह कितने बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। उनके करियर में उतार-चढ़ाव आए हैं। वह बहुत ही अच्छे इंसान हैं। हर कोई चाहता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करें। विश्व कप से पहले सैमसन का प्रदर्शन खराब रहा था। वह बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे थे। गावस्कर नेकहा, ''सभी भारतीय प्रशंसक इस बात से खुश होंगे कि इस ईमानदार क्रिकेटर को वह सफलता मिली है जिसका वह हकदार है। अब भारत गुरुवार को मुंबई में सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना करेगा। गावस्कर ने कहा, ''करो या मरो के मैच में मैन ऑफ द मैच बनना सपना सच होने जैसा है। मैच विजेता पारी खेलने के बाद संजू के चेहरे पर भाव साफ झलक रहे थे। वह शतक से सिर्फ तीन रन दूर थे और अगर वह शतक तक पहुंच जाते तो यह शानदार होता।''

मॉडर्न पाइथियन गेम्स में भाग लेगा भारत

नयी दिल्ली। मॉडर्न पाइथियन गेम्स में तब नया इतिहास रचा जाएगा जब भारत बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के पहले युवा डेलिफ़क गेम्स में युवा कलाकारों का अपना पहला राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल भेजेगा। भारत का 65 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 22 मार्च को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक के लिए रवाना होगा, जो वर्तमान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अध्यक्षता कर रहा है। यह पहला अवसर है जबकि भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की तर्ज पर आयोजित किए जा रहे इन खेल में भाग लेगी। भारतीय दल में 41 युवा कलाकार भी शामिल हैं। इनमें से दिल्ली के 21, हिमाचल प्रदेश के 10, कर्नाटक के चार तथा उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और हरियाणा के एक एक कलाकार शामिल हैं। प्रतिभागी लोक संगीत, नृत्य, गायन, पॉप संगीत, डीजे कला, दृश्य कला, कला और शिल्प तथा पियानो सहित विभिन्न विधाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

एसजेएफआई का राष्ट्रीय सम्मेलन नयी दिल्ली में

नयी दिल्ली। भारतीय खेल पत्रकार महासंघ (एसजेएफआई) का राष्ट्रीय सम्मेलन 13 से 16 मार्च तक यहां आयोजित किया जाएगा। पिछले 30 वर्षों में पहला अवसर होगा जबकि एसजेएफआई का वार्षिक सम्मेलन राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किया जाएगा। दिल्ली खेल पत्रकार संघ (डीएसजेए) इस सम्मेलन की मेजबानी करेगा जिसमें एसजेएफआई अपनी स्थापना की स्वर्ण जयंती भी मनाएगा। इससे यह सम्मेलन अधिक महत्वपूर्ण बन गया है। एसजेएफआई को खेल पत्रकारों की वैश्विक संस्था इंटरनेशनल स्पोर्ट्स प्रेस एसोसिएशन (एआईपीएस) से मान्यता प्राप्त है और यह उससे संबद्ध है। राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण क्षेत्रों के खेल पत्रकार तथा भारतीय खेल, प्रशासन और प्रसारण जगत की प्रमुख हस्तियां हिस्सा लेंगी। इस चार दिवसीय कार्यक्रम में एक भविष्य खेल सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें खेल पत्रकारों के अलावा शीर्ष प्रशासक और ओलंपिक के दिग्गज खिलाड़ी भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान जेके बोस अंतर-क्षेत्रीय टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट, एसी बाली टेबल टेनिस टूर्नामेंट, आधुनिक पाइथियन गेम्स आदि का आयोजन भी किया जाएगा।

पश्चिम एशिया में संकट गहराने से कच्चा तेल करीब 10 प्रतिशत चढ़ा

एजेंसी

न्यूयॉर्क। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के समन्वित हमलों के बाद पश्चिम एशिया में जंग के हालात से सोमवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया। ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की आशंका से कारोबारियों में बेचैनी देखी गई। कारोबारी इस आशंका पर दांव लगा रहे हैं कि ईरान और पश्चिम एशिया के अन्य देशों से कच्चे तेल की आपूर्ति धीमी पड़ सकती है या ठप हो सकती है। क्षेत्र में हमलों, खासकर फारस की खाड़ी के संकरे प्रवेश मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे दो जहाजों पर हमले के कारण निर्यात क्षमता प्रभावित हुई है। ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में हमले लंबे समय तक जारी रहे तो कच्चे तेल और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आगे और बढ़ोतरी हो सकती है। सीएमई ग्रुप के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में उत्पादित वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल सोमवार सुबह करीब नौ प्रतिशत चढ़कर 73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शुक्रवार को यह लगभग 67 डॉलर पर था। फैक्टसेट के आंकड़ों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड करीब 10 प्रतिशत चढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 72.87 डॉलर प्रति बैरल पर रहा था। ऊर्जा विश्लेषण कंपनी रिस्टैड एनर्जी ने कहा कि प्रतिदिन लगभग 1.5 करोड़ बैरल यानी वैश्विक आपूर्ति का करीब 20 प्रतिशत कच्चा तेल होर्मुज जलडमरुमध्य से होकर गुजरता है। यह तेल मार्ग विश्व का सबसे अहम 'चोकपॉइंट' (संकरा रणनीतिक मार्ग) माना जाता है। होर्मुज जलडमरुमध्य के उत्तर में ईरान स्थित है, जबकि इस रास्ते से सऊदी अरब, कुवैत, इराक, कतर, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ईरान का तेल एवं गैस निर्यात होता है। ईरान ने फरवरी के मध्य में सैन्य अभ्यास का हवाला देते हुए जलडमरूमध्य के कुछ हिस्सों को अस्थायी रूप से बंद किया था। उसके बाद तेल कीमतों में लगभग छह प्रतिशत की तेजी आई थी। इस बीच, तेल उत्पादक देशों के समूह 'ओपेक प्लस' के आठ सदस्यों ने रविवार को तेल उत्पादन बढ़ाने की घोषणा की। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) ने कहा कि वह अप्रैल में प्रतिदिन 2,06,000 बैरल उत्पादन बढ़ाने जा रहा है।

होंडा मोटरसाइकिल की बिक्री फरवरी में 34 प्रतिशत बढ़कर 5,67,351 इकाई पर

एजेंसी

नयी दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) की फरवरी, 2026 में कुल बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 5,67,351 इकाई रही, जो पिछले साल इसी महीने की तुलना में काफी अधिक है। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। फरवरी की कुल बिक्री में घरेलू बाजार में बेची गई 5,13,190 इकाइयां और 54,161 इकाइयों का निर्यात शामिल है। एचएमएसआई के अनुसार, यह प्रदर्शन कंपनी के विभिन्न उत्पादों के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत मांग को दर्शाता है।

बयान के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-फरवरी अवधि के दौरान कंपनी ने कुल 58,20,556 इकाइयों की बिक्री दर्ज की। इसमें घरेलू बाजार की 52,37,169 इकाइयां और निर्यात की गई 5,83,387 इकाइयां शामिल हैं।

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में वृद्धि फरवरी में चार महीने के उच्चतम स्तर पर

नयी दिल्ली। देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में वृद्धि फरवरी में चार महीने के उच्चतम स्तर 56.9 पर पहुंच गई। सोमवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। घरेलू मांग में मजबूत सुधार के कारण यह बढ़ोतरी हुई, हालांकि नए निर्यात ऑर्डर की वृद्धि में कमी देखी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जनवरी के 55.4 से बढ़कर फरवरी में चार महीने के उच्चतम स्तर 56.9 पर पहुंच गया। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' फरवरी महीने में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में पहले से ज्यादा तेजी देखने को मिली। मजबूत घरेलू ऑर्डर की वजह से उत्पादन लगातार दूसरे महीने भी तेज गति से बढ़ा। सर्वेक्षण में कहा गया, 'समिति के सदस्यों के अनुसार, काम करने की दक्षता में सुधार, बाजार में मजबूत मांग, नए ऑर्डर में बढ़ोतरी और तकनीक में निवेश की वजह से उत्पादन में कुल मिलाकर अच्छी बढ़त दर्ज की गई। एक क्षेत्र जहां वृद्धि में कुछ कमी आई, वह नए निर्यात ऑर्डर रहे। हालांकि, जिन कंपनियों की विदेशों में बिक्री बढ़ी, उन्होंने एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका से ऑर्डर मिलने की बात कही। भंडारी ने कहा, 'नए निर्यात ऑर्डर में वृद्धि ने 2025 के मध्य में शुरू हुई धीमी गति को जारी रखा, जिससे विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन कुछ हद तक सीमित हो गया। कुल नए ऑर्डर में लगातार तेज बढ़ोतरी होने के कारण भारत के विनिर्माताओं ने उत्पादन बढ़ाने और भंडारण करने के लिए अतिरिक्त कच्चे माल की खरीद की।

अशोक लेलैंड की वाहन बिक्री फरवरी में 24 प्रतिशत बढ़कर 22,157 इकाई रही

नयी दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता अशोक लेलैंड की फरवरी, 2026 में कुल बिक्री 24 प्रतिशत बढ़कर 22,157 इकाई रही। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 17,903 वाहन बेचे थे। अशोक लेलैंड ने बयान में कहा कि समीक्षाधीन महीने के दौरान उसकी घरेलू बिक्री 28 प्रतिशत बढ़कर 20,314 इकाई रही, जो फरवरी, 2025 में 15,879 इकाई थी। कंपनी के मुताबिक, घरेलू बाजार में मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों (एमएंडएचसीवी) की बिक्री 31 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 13,264 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 10,110 इकाई थी।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में सांकेतिक गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोना के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 4,010 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसके विपरीत चांदी की कीमत में 100 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आए इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,73,090 रुपये से लेकर 1,73,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,58,660 रुपये से लेकर 1,58,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,94,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,73,240 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,58,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,73,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,58,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,58,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,73,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,58,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,73,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,58,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,58,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

होलिका में 'टैरिफ वार' की थीम, प्रधानमंत्री मोदी का 'पुष्पा' अवतार बता दिया सशक्त भारत का संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। होली के पर्व पर सांस्कृतिक अभिव्यक्ति की अनोखी मिसाल पेश करते हुए उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर के लाटूश रोड इलाके में वर्ष 1962 से चली आ रही परंपरा के तहत इस बार भी विशेष थीम पर होलिका दहन की तैयारियां की गई हैं। हर वर्ष सामाजिक, सांस्कृतिक और समकालीन मुद्दों को विषय बनाकर होलिका सजाने की इस परंपरा ने क्षेत्र को विशिष्ट पहचान दिलाई है। यही वजह है कि होली के मौके पर लाटूश रोड में देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग इस अनूठी प्रस्तुति को देखने पहुंचते हैं। इस वर्ष नुक्कड़ सोसायटी की ओर से ब्लटैरिफ वारङ्क को केंद्र में रखते हुए होलिका का प्रांगण सजाया गया है। आयोजन स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिल्मी किरदार 'पुष्पा' की प्रतीकात्मक छवि में दर्शाया गया है। उन्हें भगवा परिधान में, दाहिने हाथ को दाढ़ी पर टिकाए आत्मविश्वासपूर्ण मुद्रा में प्रस्तुत किया गया है। इस रचना के माध्यम से आयोजकों ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि वैश्विक दबावों और आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत अपने राष्ट्रीय हितों को लेकर दृढ़ रुख रखता है। प्रांगण में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी प्रतीकात्मक पुतला लगाया गया है, जिसे वैश्विक व्यापार नीति और टैरिफ विवादों के संदर्भ में प्रस्तुत किया गया है। आयोजकों का कहना है कि यह प्रस्तुति किसी व्यक्ति विशेष पर टिप्पणी से अधिक समकालीन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को रचनात्मक रूप में सामने रखने का प्रयास है। आयोजन मंडल के सदस्य उमेश कश्यप ने सोमवार को बताया कि वैश्विक स्तर पर टैरिफ और व्यापारिक दबावों को लेकर जो स्थितियां बनीं, उन्हें आम लोगों तक सरल भाषा में पहुंचाने के उद्देश्य से यह थीम चुनी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'पुष्पा' का प्रतीकात्मक शीर्षक इसलिए दिया गया है ताकि यह संदेश जाए कि देश के हितों के सवाल पर भारत का नेतृत्व दबाव में झुकने वाला नहीं है। स्थानीय लोगों के अनुसार, लाटूश रोड की यह परंपरा अब केवल होलिका दहन का आयोजन नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक विमर्श का एक रचनात्मक मंच बन चुकी है। बड़ी संख्या में लोग आयोजन स्थल पर पहुंच रहे हैं, वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थानीय प्रशासन द्वारा आवश्यक इंतजाम किए गए हैं।

होली पर शाही गुझिया की धूम, सोने-चांदी से सजी मिठास ने बढ़ाई बाजार की रौनक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। होली के रंगों के साथ इस बार बाजारों में मिठास भी शाही अंदाज में नजर आ रही है। पारंपरिक गुझिया अब सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसमें लग्जरी और सेहत का तड़का भी जुड़ गया है। शहर के मिठाई बाजारों में सोने-चांदी की परत से सजी गुझिया लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, वहीं शुगर फ्री और गुड़ से बनी गुझिया भी तेजी से बिक रही हैं। होली के त्योहार से पहले शहर के बाजारों में मिठाइयों की दुकानों पर खास रौनक देखने को मिल रही है। इस बार गुझिया के कई प्रीमियम और हेल्दी वैरायटी बाजार में उतारी गई हैं। सोने की परत से सजी गोल्डन गुझिया 31 हजार रुपये प्रति किलो में बिक रही है, जबकि चांदी की वर्क वाली सिल्वर गुझिया 2100 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहकों के लिए शुगर फ्री और गुड़ से बनी गुझिया भी तैयार की गई हैं, जिनकी कीमत 1000 से 1500 रुपये प्रति किलो के बीच है। इसके अलावा केसरिया और अंजीर की गुझिया की भी बाजार में जबरदस्त मांग बनी हुई है। मिठाई दुकानदार गौरव ने सोमवार को बताया कि इस बार लोगों का रुझान पारंपरिक स्वाद के साथ-साथ प्रीमियम और हेल्दी विकल्पों की ओर बढ़ा है। उन्होंने कहा कि त्योहार पर गिफ्ट देने के लिए भी लोग महंगी और खास वैरायटी की गुझिया पसंद कर रहे हैं।

होली पर्व पर उप्र और बिहार के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन

वाराणसी। होली पर्व के अवसर पर उत्तर प्रदेश (उप्र) और बिहार के यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे की ओर से कई होली विशेष ट्रेनों का संचालन किया गया है। इसकी जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अशोक ने सोमवार को दी। उन्होंने कहा कि 05089 व 05090 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी, छपरा से 05 से 14 मार्च 2026 तक प्रत्येक गुरुवार व शनिवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 06 से 15 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार व रविवार को होली विशेष ट्रेनों का संचालन किया जायेगा।

देवरिया में पेट्रोल पंपों की दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल

देवरिया। पेट्रोल पंप की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सोमवार की सुबह दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल का असर दिखा। इसी क्रम में देवरिया जिले में भी पेट्रोल पंप संचालकों ने दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल करते हुए पंप में कामकाज बंद रखा। सुबह 8 बजे से 10 बजे तक जिले के सभी पेट्रोल पंप बंद रहे, जिससे पेट्रोल और डीजल की बिक्री प्रभावित हुई। इस दौरान कई वाहन चालकों को ईंधन न मिलने से वापस लौटना पड़ा और उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ा। हड़ताल का आह्वान पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन देवरिया की ओर से किया गया था।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
सत्य प्रकाश मिश्रा
जिला उपाध्यक्ष
स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित संगठन, हरदोई

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
रानू बाजपेई
प्र0 प्रधान
ग्राम पंचायत-ज्ञानपुर, विकास खण्ड-कछौना, हरदोई

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
मयंक सिंह
मण्डल अध्यक्ष
भाजपा, कछौना, हरदोई

रंगों के त्यौहार होली के पावन पर्व पर जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
राज मेडिकल स्टोर
प्रोपराइटर
आदर्श श्रीवास्तव
गौरी नगर धर्मशाला रोड, हरदोई- 9026096598
राज साड़ी कलेक्शन
मिर्चाराम स्वीट्स के ठीक सामने, सिनेमा रोड, हरदोई
प्रोपराइटर
उत्तम श्रीवास्तव

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
मुकेश सिंह गोलू
सामाजिक कार्यकर्ता
इमलीपुर, कछौना, हरदोई

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
अटल बिहारी सिंह
अभिकर्ता
भारतीय जीवन बीमा निगम तिलक नगर कछौना, हरदोई

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
समीर अहमद
प्र0 सभासद
नगर पंचायत कछौना पतसेनी, हरदोई

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
महेन्द्र पाल प्रधान
ग्राम पंचायत-नेदुरा, विकास खण्ड-पिहानी, हरदोई

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
मल्लावाँ इण्डेन गैस सर्विस
निकट मिट्ठू बाबा, मल्लावाँ, हरदोई।
प्रबंधक / वितरक
अवधेश कटियार
संरक्षक-अखिलेश कटियार

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
लक्ष्मी देवी प्रधान
ग्राम पंचायत-फत्तेपुर, विकास खण्ड-पिहानी, हरदोई

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
गौरव सिंह
ग्राम पंचायत-मसफना, विकास खण्ड-टोडरपुर, हरदोई

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
डॉ0 शैलेन्द्र शुक्ला
अधीक्षक
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कछौना, हरदोई

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
ओम प्रताप सिंह भोले
प्रधान प्रतिनिधि मदरावाँ
जिलाध्यक्ष भाकियू, हरदोई

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
डॉ0 महेन्द्र पाल
एम.डी.
मुस्कान हॉस्पिटल, कछौना, हरदोई

रंग बिरंगे त्योहार होली के पावन अवसर पर सभी क्षेत्र, ग्राम व जनपद-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ
धर्मवीर सिंह
प्रधान प्रत्याशी
ग्राम पंचायत-अरूआ, विकास खण्ड-पिहानी, हरदोई